संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, बुधवार, 06 दिसंबर 2023 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 326 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस 2023 समारोह की झलकियाँ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित थे।

भारत और केन्या के बीच पांच करार पर हस्ताक्षर

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारत और केन्या के बीच मंगवार को शिक्षा, संस्कृति और अन्य क्षत्रों से जुड़े पांच करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए भारत केन्या को 250 मिलियन डॉलर का ऋण देगा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता दी गई है। पिछले लगभग एक दशक में हमने मिशन मोड में अफ्रीका के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। केन्या के राष्ट्रपति डॉ. विलियम समोई रुतो तीन दिवसीय यात्रा पर कल नई दिल्ली पहुंचे थे। भारत की राजकीय यात्रा पर आए समोई रुतो ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। उन्हें खुशी है कि केन्या ने ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस और अंतरराष्ट्रीय सौर

गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही केन्या द्वारा लिये गए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस से जुड़ने के निर्णय से हम बिग कैट के संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को सशक्त कर सकेंगे।

एमएसपी को लेकर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों पर काम कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि कृषि सुधारों को लेकर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट संप्रग सरकार के दौरान आई थी लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उत्पाद लागत से 50 प्रतिशत अधिक तय किया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र के तीन कृषि कानूनों (जिन्हें वापस लिया जा चुका है) के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के बाद एमएसपी समेत अनेक मुद्दों पर अध्ययन के लिए समिति का गठन किया गया था जो अब तक 30 से 35 बैठकें कर चुकी है।

भारत और केन्या एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौती है। इस संबंध में हमने आतंकवाद विरोधी अभियानों में आपसी सहयोग को बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में हमारा बढ़ता सहयोग हमारे आपसी विश्वास और साझा हितों का प्रतीक है। आज की चर्चा में हमने सैन्य अभ्यास क्षमता निर्माण के अलावा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को जोड़ने पर भी जोर दिया। हमने जन कल्याण के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर भी चर्चा की।

दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में हम अपने अनुभव साझा करने पर सहमत हुए। केन्या के कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए हम 250 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट देने पर सहमत हुए हैं। हम डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में केन्या के साथ भारत की उपलब्धियों को साझा करने के लिए तैयार हैं। केन्या के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने सोमालिया और सूडान के हालात पर प्रधानमंत्री मोदी से चर्चा की है।

सर्किट हाउस विस्तारीकरण कार्य में तेजी लाएं: सीएम

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चंपावत को सर्किट हाउस का विस्तारीकरण का कार्य तेजी से करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। मंगलवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आदर्श चम्पावत के तहत संचालित योजनाओं और प्रस्तावित कार्यक्रमों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सर्किट हाउस के विस्तारीकरण में आधुनिकता के समावेश के साथ पर्वतीय शिल्प कला का प्रयोग किया जाए। जनपदों में बेहतर निर्माण कार्यों में जिलाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके लिए उन्हें सजगता से कार्यों का नियमित रूप से अनुश्रवण करना होगा। उन्होंने कहा कि सर्किट हाउस में जनता मिलन के लिए उपयुक्त स्थल के साथ सभागार भी बनाया जाय। आवागमन के लिए सुगम मार्ग का निर्माण भी किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत आने वाले समय में बड़ा डेस्टिनेशन बने इसके लिए उन्होंने जिलाधिकारी चंपावत को निर्देश दिये कि चंपावत में नई टाउनशिप विकसित किये जाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन पर तेजी से कार्य हो रहे हैं। इस कार्य के बाद चम्पावत में भी श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि भविष्य में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावनाओं के दृष्टिगत सम्पर्क मार्गों के विस्तारीकरण और सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी विशेष ध्यान दिया जाए। चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में किये जा रहे कार्यों में और तेजी लाई जाए। जिलाधिकारी चम्पावत नवनीत पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा के तहत चम्पावत में मास्टर प्लान के तहत भूमि चिन्हित कर 05 जोन बनाये गये हैं। जिसमें स्टेडियम, कल्चरल थियेटर, गोल्ज्यू मंदिर परिसर, मल्टीस्टोरी पार्किंग और एप्रोच रोड से सबंधित कार्ययोजना बनाई गई है।

व्यवस्था परिवर्तन का एक साल पूर्ण होने पर होगा समारोह : मुख्यमंत्री

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर 11 दिसम्बर, 2023 को कांगड़ा जिला के पुलिस मैदान, धर्मशाला में व्यवस्था परिवर्तन का एक साल विषय पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी शामिल होगा। उन्होंने यह बात इस समारोह के आयोजन सम्बंधी विभिन्न प्रबंधों की समीक्षा के लिए आज यहां राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी प्रबंध समय रहते पूरे करने तथा इसमें भाग लेने वाले लोगों को हरसम्भव सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह से सम्बंधित विभिन्न प्रबंधों के लिए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, विधायक संजय रतन व केवल सिंह पठानिया जिला प्रशासन के साथ समन्वय करेंगे। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सभी विभागों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा प्रबंधों, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता व मोबाइल शौचालय इत्यादि के समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने पुलिस विभाग को वाहनों के सुचारू यातायात व पार्किंग इत्यादि के लिए पुख्ता प्रबंध करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए पुलिस मैदान में बड़ी एलईडी स्क्रीन भी स्थापित की जाएंगी। उन्होंने समारोह के दौरान स्थानीय लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए भी समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

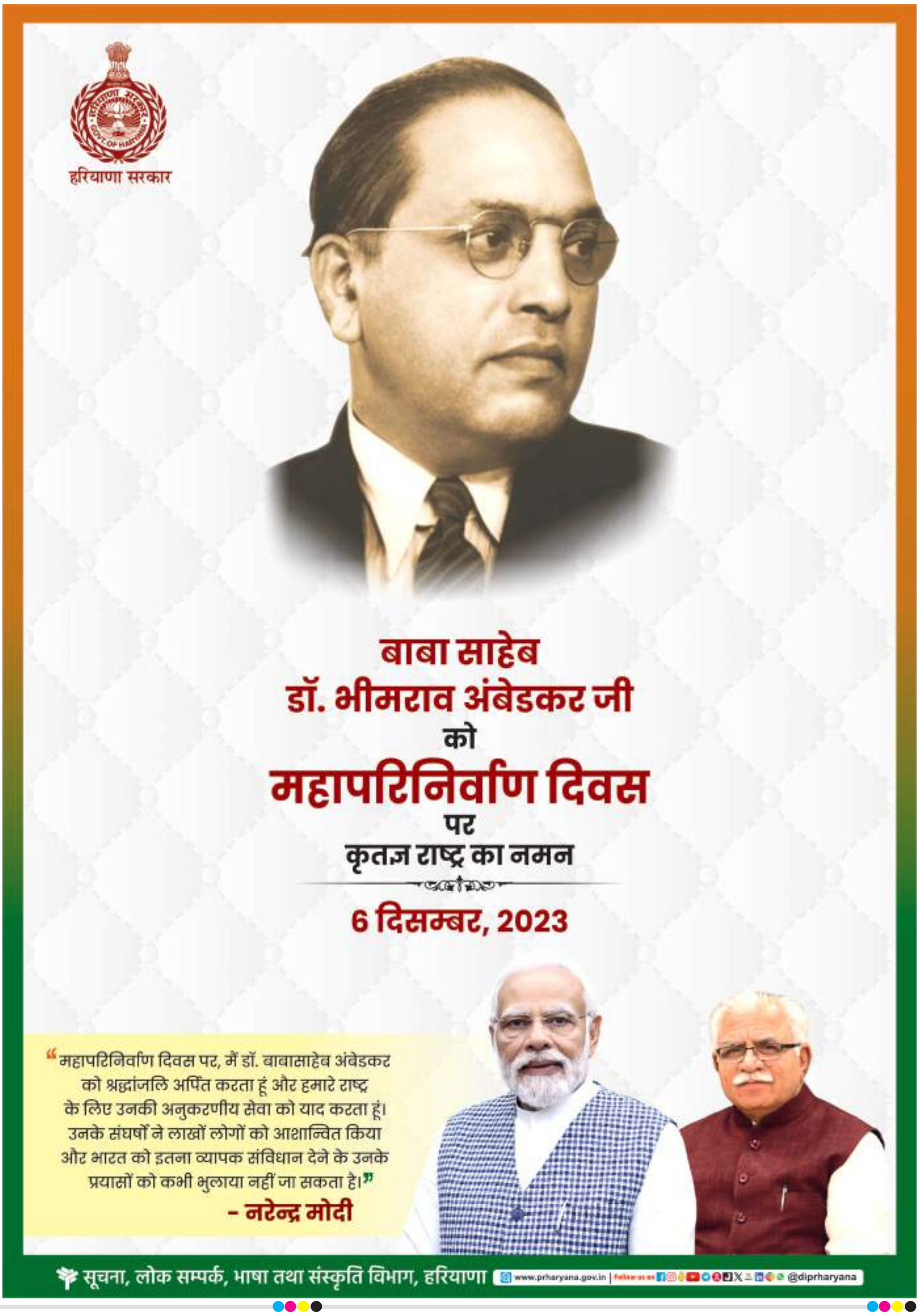

मुख्यमंत्री ने 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का किया लोकार्पण

आन बान

8 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धामी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हमारी आन बान शान है।

स्पदेहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत दिलाराम बाजार में स्थापित 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का लोकार्पण किया।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शहर के प्रमुख स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज स्थापित होने से आम जनता में देश प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना का और तेजी से प्रसार होगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हमारी आन बान शान है। यह हम सबके लिए प्रेरणा है। यह राजपुर रोड दिला राम चौक के पास एक ऐसे स्थान पर लगाया गया है, जहां पर राष्ट्रपति का आशियाना भी नजदीक है और वही राज्यपाल का आवास भी नजदीक है। मुख्य मार्ग भी यही है। इतना ही नहीं देश दुनिया से आने वाले लोग इस मार्ग से गुजरते हैं। यह ध्वज सभी को प्रेरणा देने का काम करेगा और हमारी नई पीढ़ी को भी इस ध्वज से प्रेरणा मिलती रहेगी। इससे युवाओं के अंदर राष्ट्रभक्ति और भी मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो दिन बाद ही राजधानी देहरादून के अंदर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट होने जा रही है और उससे ठीक पहले इस ध्वजारोहण का होना अपने आप में एक बड़ी बात है।
इस मौके पर मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचन्द अग्रवाल, सुबोध उनियाल, विधायक खजानदास, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, एसएसपी अजय सिंह, अपर नगर आयुक्त वीर सिंह बुदियाल उपस्थित थे।

सवाड गांव में होने वाले अमर बलिदानी सैनिक मेले की तैयारी पूरी

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के देवाल विकास खंड के सैनिक बाहुल्य गांव सवाड में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय अमर बलिदानी सैनिक मेले की सभी तैयारियां मेला कमेटी ने पूरी कर ली हैं। मेला सात से नौ दिसम्बर तक आयोजित होगा। मेले के सफल संचालन के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। मेले के उद्घाटन के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को आमंत्रित किया है।
मंगलवार को मेला कमेटी की बैठक मेला कमेटी के अध्यक्ष आलम सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई, जिसमें अमर बलिदानी सैनिक मेले की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें विभिन्न स्कूलों के छात्रों, महिला और युवक मंगल दलों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति, प्रदेश स्तरीय विभिन्न कला मंचों के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। मेले के पहले दिन मुख्य अतिथि की ओर से झण्डारोहण और शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि दी जाएगी।
मेले में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने के लिए क्षेत्रीय विधायक भूपाल राम टम्टा की अगवाई में मेला कमेटी के अध्यक्ष आलम सिंह देहरादून में मिले व आमंत्रण पत्र दिया है।
बैठक में मेला कमेटी के उपाध्यक्ष नंदन सिंह धपोला, जिपंस आशा धपोला, ग्राम प्रधान कंचना मेहरा, पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दयाल सिंह, महावीर भंडारी, महिपाल सिंह, प्रमोद धपोला, दान सिंह, गोपाल सिंह आदि मौजूद थे।

न्यूज फ्लैश

नगर निगम क्षेत्र में घूमने वाले जानवरों की निगरानी को गौ रक्षक दल का गठन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
नगर निगम ने नगर सीमा के भीतर घूमने वाले गौवंश पर रोक लगाने के लिए गौ रक्षक दल का गठन किया है। इस दल में 20 कर्मचारी तैनात किए गए हैं।
नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि यह गौ रक्षक दल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत मुख्य मार्ग में घूमने वाले गौवंश को मुख्य मार्गों से हटाने का कार्य करेंगे, जिससे मुख्य मार्ग में विचरण करने वाले गौवंश से होने वाली दुर्घटनाएं रोकी जा सके। यह गौ रक्षक दल मोटरसाइकिल के माध्यम से रानी बाग से लेकर तीन पानी ,रामपुर रोड में शीतल होटल तक, कालु सिद्ध मंदिर से ब्लॉक ऑफिस तक, कुसुमखेड़ा चौराहे से कमालुवागांजा मोड तक, लालडांठ से कॉल टैक्स काठगोदाम समस्त कैनल रोड आदि का भ्रमण करते रहेंगे और गौवंश की स्थिति से अवगत कराएंगे। मुख्य मार्गों से गौवंश को हटाएंगे गौवंश को गौशाला पहुंचाने हेतु मदद भी करेंगे।

वेदांत आचार्य जोनास मसेटी की अध्यात्म भारत यात्रा गंगा आरती के साथ ऋषिकेश में सम्पन्न

ऋषिकेश /टीम एक्शन इंडिया
ज्ञान की खोज में भारत आए सुप्रसिद्ध ब्राजीलियाई वेदांत आचार्य जोनास मसेटी ने उत्तराखंड के ऋषिकेश में पवित्र नदी गंगा का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा का समापन किया। उन्होंने गंगा नदी के तट पर स्वामी दयानंद आश्रम के की मंत्रमुग्ध करने वाली आरती में भाग लिया और भजनों का आनंद उठाया संतों के शहर में आचार्य मसेटी ने सुप्रसिद्ध स्वामी दयानंद आश्रम के छात्रों से भी मुलाकात की और अंतर्मन की खोज में अपनी इस अविस्मरणीय यात्रा का अनुभव बताया। उन्होंने जीवन में वेदांत और भगवद गीता के ज्ञान को जगह देकर उसका सच्चा अर्थ जानने और दुनिया की गहरी समझ हासिल करने पर जोर दिया।
गंगा नदी के तट पर बैठे आचार्य जोनास मसेटी ने कहा गंगा जीवनदायी नदी है और सब को क्षमा कर देती है। भारत की मेरी अध्यात्म यात्रा का समापन इस पवित्र नदी के आशीर्वाद के साथ करने से बेहतर क्या हो सकता था! नदी की ध्वनि, हवा में सुगंध, मंत्रमुग्ध कर देने वाला वातावरण यहां सब कुछ असली है। यहां आपका मन, शरीर और आत्मा एकाकार हो जाते हैं।
उन्होंने कहा ऋषिकेश भारतीय संस्कृति का हृदय स्थल है। इसमें गोता लगाने वालों के लिए हर ओर से ज्ञान की गंगा बहती है। मैंने जब से वेदांत का मार्ग चुना और भगवद गीता का ज्ञान अपनाया है इस स्थान का मेरे जीवन में महत्व बहुत बढ़ गया है। यहां की हर यात्रा में मैं खुद को थोड़ा और अपने करीब महसूस करता हूं। इस बार भी यह एक अविस्मरणीय यात्रा रही है। मुझे भारतीय संस्कृति में गोता लगाने और अपने गुरु श्री साक्षात्कृतानंद सरस्वती स्वामी जी के निकट रहने का मौका मिला। इस दौरान मुझे अनमोल ज्ञान और मार्गदर्शन मिला।
आचार्य मसेटी पश्चिमी देशों में वेदों और भगवद गीता के ज्ञान का प्रसार कर रहे हैं। अध्यात्म, वैदिक ज्ञान और मानवता के कार्यों के लिए जाने जाते हैं। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भी पश्चिम में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में उनके अमूल्य योगदान का सम्मान करते हुए 2020 में अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्मन की बात में उनका उल्लेख किया था। आचार्य मसेटी को लोग प्रेम से विश्वनाथ कहते हैं। बीते 20 नवंबर से वे 19 दिन की भारत यात्रा पर हैं। यह एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक अभियान है। इस दौरान वे भारत की राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के राजदूत माननीय श्री अराजा कोर्रा डो लागो और राज्यसभा सदस्य सोनल मानसिंह से मिले। कई अध्यात्म गुरुओं के साथ ज्ञानवर्धक बातचीत की और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी भागीदारी की।
भारत दर्शन के दौरान श्री स्वामी दयानंद सरस्वती से मिलने के बाद आचार्य मसेटी के जीवन में एक अध्यात्मिक मोड़ आया जो उन्हें शेयर बाजार से वैदिक शिक्षा की ओर ले गया। उनके मार्गदर्शन में आचार्य मसेटी ने अर्श विद्या गुरुकुलम में वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और आचार्य

बिजली के खंभे में आए करंट से चिपक कर एक गाय और कुत्ते की मौत

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
तीर्थ नगरी के नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत चंद्रेश्वर नगर में बिजली के खंभे में करंट आ जाने से एक गाय और कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग से बिजली के पोल में आ रहे करंट को रोकने और नगर निगम से जानवरों के शव को उठाने की मांग की है।
सोमवार की आधी रात को बारिश के बाद चंद्रेश्वर नगर के एक बिजली के पोल में अचानक करंट दौड़ गया। करंट पोल में होने की वजह से एक गाय और कुत्ता पोल से चिपक कर मर गया। सुबह लोगों ने घटना को देखा तो विद्युत विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी। इसके बाद लाइनमैन ने बिजली के पोल पर आ रहे करंट को रोकने के लिए लाइन को बंद किया।
लोगों का कहना है कि लाइन बंद होने के बाद अभी तक बिजली विभाग के अधिकारी समय-समय पर आने वाले बिजली के पोल में करंट को रोकने के लिए नहीं आए हैं।
नगर निगम को भी गाय और कुत्ते के करंट से मरने की जानकारी दी जा चुकी है। फिर भी अभी तक जानवरों के शव को नहीं उठाया गया है।
लोगों ने बिजली के पोल में आ रहे करंट को बंद करने और जानवरों का शवों को उठाने की मांग दोनों विभागों के अधिकारियों से की है।

अवैध रूप से चरस की खेती करने वाले को पुलिस ने दबोचा

बयान

8 आरोपित युवक ने अपने बयान में बताया कि वह जंगल में अवैध रूप से चरस की खेती कर उसे बेचता है।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
कोतवाली चमोली पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पीपलकोटी के पास एक युवक को एक किलो पांच सौ पांच ग्राम अवैध चरस के साथ धर दबोचा। आरोपित युवक ने अपने बयान में बताया कि वह जंगल में अवैध रूप से चरस की खेती कर उसे बेचता है।
मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव ने बताया कि सोमवार को एसओजी और कोतवाली चमोली की ओर से संयुक्त चैकिंग अभियान चलाते हुए मुखबिर की सूचना पर आरोपित 37 वर्षीय गणाई निवासी सचिन पंवार को तेलधाम मन्दिर पीपलकोटी के पास से एक किलो पांच सौ पांच ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। इसकी अनुमानित कीमत एक लाख 50 हजार रुपये है।
उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपित ने बताया गया की वह जंगल में चोरी छिपे चरस की खेती करता था और इकट्ठा कर के मैदानी क्षेत्रों में कॉलेज के आस पास एवं ट्रक ड्राइवरों को ऊंचे दामों में बेचा करता था। पकड़े गये आरोपित के खिलाफ चमोली कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपित को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को ढाई हजार रुपये की नगद धनराशि इनाम स्वरूप देने की घोषणा भी की है।

ब्लाक स्तरीय खेल महाकुंभ हुआ

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के पोखरी मिनी स्टेडियम में युवा कल्याण के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय न्याय पंचायत स्तर की ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ मंगलवार को पुरस्कार वितरण के साथ हो गया है।
न्याय पंचायत स्तर की खेल महाकुंभ के अन्तिम दिवस मंगलवार को बालक वर्ग की अंडर 19 की आठ सौ मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में थाला बैंड न्याय पंचायत के अनमोल ने प्रथम, पोखरी न्याय पंचायत के विजय शाह ने द्वितीय स्थान तथा अंकुश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की आठ सौ मीटर दौड़ में थाला बैंड न्याय पंचायत की अंजु ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय और इसी न्याय पंचायत की आरती ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की पांच हजार मीटर की दौड़ में किमोठा न्याय पंचायत के आयुश प्रथम, बमोथ न्याय पंचायत के ऋषभ ने द्वितीय और पोखरी न्याय पंचायत के अभिषेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हरिद्वार तहसील दिवस में आई 44 शिकायतें

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार तहसील में उप-जिलाधिकारी अजयवीर सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 44 शिकायतें दर्ज की गयी, जिसमें से एक दर्जन से अधिक शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों पर सम्बन्धित अधिकारियों को एक पखवाड़े के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिये हैं।
तहसील दिवस में ई.ई.लोनिवि सुरेश तोमर, तहसीलदार रेखा आर्या, जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठ,खेल विभाग से प्रदीप सिंह के अलावा अधिकारी उपस्थित थे।

मतदाताओं के विवेक पर सवाल उठा रही कांग्रेस : भाजपा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि राज्यों के इन चुनाव के नतीजों में कांग्रेस के प्रायोजित मुद्दों और दुष्प्रचार की हार पर उसका मतदाताओं के विवेक पर सवाल उठाना सरासर गलत है। भाजपा के मीडिया प्रभारी चौहान ने जारी बयान में कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से चुनाव में मुद्दों की हार और खैरात की जीत के बारे में दिये बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव नतीजों में कुछ भी अप्रत्याशित नही बल्कि स्वाभाविक है। कांग्रेस जिन्हें मुद्दे कह रही है वह भाजपा के खिलाफ प्रायोजित दुष्प्रचार था। उस दुष्प्रचार का जनता ने उसी अंदाज में जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में जन भावनाओं के बजाय कांग्रेस मनमानी पर उतर गयी थी। दूसरों को खैरात का ज्ञान बांटने की बात कहने वाली कांग्रेस को राजस्थान में जनता ने सबक सिखाया। आस्था और सनातन के मामले में लोग सम्मान से समझौता नही कर सकते, लोगों ने कांग्रेस को यह अहसास करा दिया है।
उन्होंने कहा कि भाजपा ने कोई लोकलुभावन घोषणा नही की और वह विकास के एजेंडे पर आगे बढ़ रही है। देश की जनता को प्रधानमंत्री मोदी का विकास का विजन पसंद है, इसलिए उसे कांग्रेस किसी लुभावन घोषणा अथवा कथित खैरात की जरूरत नही। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के खैरात पर मिली जीत जैसे वक्तव्य को निराशा की स्थिति में खीज करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को महज भाजपा शासित राज्यों में मुद्दे नजर आते हैं और उन्हें षड्यंत्र और दुष्प्रचार की चासनी में परोसकर जनता के बीच ले जाने की उसकी हर कोशिश विफल होती रही है। कांग्रेस को जनता के बीच रहकर जनता के मुद्दे उठाने होंगे और उन्हें निराकरण की दिशा में भी आगे आना होगा।

18 देशों से 500 प्रदर्शक इम्टेक्स फॉर्मिंग 2024 में लेंगे हिस्सा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
इम्टेक्स फॉर्मिंग 2024 इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए) अपने विशेष एक्सपो मेटल फॉर्मिंग मशीन टूल प्रदर्शनी के आठवें संस्करण का आयोजन करेगा इम्टेक्स फॉर्मिंग 2024 - धातु निर्माण और विनिर्माण प्रौद्योगिक जगत में एशिया की सबसे बड़ी प्रदर्शनी आगामी 19 से 23 जनवरी, 2024 तक बेंगलुरु के बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आयोजित की जाएगी। टूलटेक 2024 में मशीन टूल एक्सेसरीज, फॉर्मिंग टूल्स, डाई और मोल्ड, मेट्रोलॉजी, सीएडी/सीएएम, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग पर होगी। इसमें डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग द्वारा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्री 4.0 जैसी नवीनतम तकनीकों को दर्शाया जाएगा और भारतीय वेल्डिंग संस्थान के साथ समवर्ती रूप से आयोजित किए जाने वाले वेल्डएक्सपो में वेल्डिंग (जोड़ने) और कटिंग (काटने) से संबंधित प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित होंगी। मेस्सी स्टटगार्ट द्वारा आयोजित मोल्डेक्स इंडिया और फास्टनेक्स इंडिया भी इमटेक्स फॉर्मिंग 2024 के साथ मिलकर एक ही जगह पर मोल्डिंग, फास्टनर और फिक्सिंग प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित रहेंगे इमटेक्स फॉर्मिंग 2024 के दौरान लगभग 45,000 वर्ग मीटर तक फैले प्रदर्शनी स्थल में 18 देशों के तकरीबन 500 प्रदर्शक शामिल होंगे।
यह व्यापक एक्सपो आगंतुकों के लिए 5 हॉलों में प्रदर्शित किया जायेगा। प्रदर्शकों द्वारा धातु बनाने की नवीनतम तकनीकों और प्रौद्योगिकियों में नवाचार, रोबोटिक्स और स्वचालन, वेल्डिंग एवं जुड़ाव, वायर फॉर्मिंग तथा ड्राइंग, प्रेस, डाई कास्टिंग, हाइड्रोफॉर्मिंग, शीट मेटल बनाने वाली मशीनें, विशेष अनुप्रयोगों के लिए प्रेस, डाई और मोल्ड, हाइड्रोलिक और वायवीय प्रणाली और तत्व तथा परीक्षण मशीनें, इत्यादि प्रदर्शित होंगी।
आईएमटीएमए के अध्यक्ष, श्री राजेंद्र एस राजमाने ने इमटेक्स फॉर्मिंग के आगामी संस्करण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, कहा, इमटेक्स फॉर्मिंग 2024 देश में सकारात्मक कारोबार के लिए विनिर्माण उद्योगों के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। राजमाने ने कहा कि इमटेक्स फॉर्मिंग के अधिकांश आगंतुकों में निवेश के इरादे से आने वाले प्रमुख निर्णय निमार्ता होंगे, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शकों के पास आमने-सामने बैठकर व्यावसायिक बैठक करने का भी अवसर होगा।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने चलाया सघन सफाई अभियान

अभियान

8 -18 वर्ष आयु पूरी करने वाले छात्रों को वोटर आईडी बनाने की दी जानकारी

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वामी रामतीर्थ परिसर बादशाही थौल टिहरी के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं ने एक दिवसीय कैंप के तहत परिसर में पुस्तकालय, प्रशासनिक भवन ,कला संकाय एवं कैंटीन के आसपास सघन सफाई अभियान चलाया।
मंगलवार को वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस प्रो एबी थपलियाल एवं कार्यक्रम अधिकारी अर्पणा सिंह के नेतृत्व में एनएसएस स्वयंसेवियों ने वृहत सफाई अभियान चलाया। जिसमें परिसर के विभिन्न हिस्सों से प्लास्टिक व कागज के टुकड़े एकत्र करने के साथ ही घास एवं झाड़ियां का कटान स्वयं सेवियों ने तत्परता से किया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो एए बौड़ाई ने एनएसएस राष्ट्रीय स्वयं सेवियों को शिक्षा नीति के तहत दो क्रेडिट प्राप्त करने को किस तरह के एक दिवसीय व सात दिवसीय शिविर में प्रतिभा करना आवश्यक है, के बारे में जानकारी दी।
इसके पश्चात निदेशक ने विभिन्न कार्यक्रमों के तहत भाषण, निबंध, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले स्वयंसेवी छात्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवी छात्र आकाश नौटियाल ,वैभव कुमार सिंह, दीपिका चंदेल ,हर्ष श्रीवास्तव दुर्गावती कुमारी, फिजा परवीन, हिमानी डबराल, नीतिका सजवान, प्रियांशु वर्मा, समीक्षा आदि को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह तथा पेन देकर पुरस्कृत किया।
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस प्रो एबी थपलियाल तथा कार्यक्रम अधिकारी डाअर्पणा सिंह ने परिसर में बनाए जा रहे 18 वर्ष से अधिक आयु के छात्र-छात्राओं के फोटो पहचान पत्र के बारे में जानकारी दी गई तथा फोटो पहचान पत्र बनाने के लिए छात्रों को प्रेरित किया।
इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो एए बौड़ाई, डा पूरन लाल मीणा, डा एचएस बिस्ट आदि मौजूद रहे।

नये मतदाताओं को करवाया ईवीएम और वीवी पैड से मॉक मतदान

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
लोकसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारी से पूर्व मतदाताओं को जागरुक करने के उद्देश्य से तहसील थराली में एम3 ईवीएम और वीवी पैड का प्रशिक्षण दिया गया।
उपजिलाधिकारी कार्यालय थराली में मास्टर ट्रेनर मोहम्मद सलीम एव गंगा सिंह गुसाई की नये मतदाताओं एवं सामान्य मतदाताओं को ईवीएम और वीवी पैड विविपेड का प्रदर्शन कर उन्हें मतदान के दौरान वोट देने में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।
ट्रेनर गुसाई ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत इस कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेण्डर निम्न टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेण्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	237-DRM-MB-23-24 dt. 05.12.2023
Name of work	Miscellaneous track work for day to day maintenance of track in the section of SSE/P.Way/RJK under ADEN/CH. (Estimate No. 200/2023)
Tender Closing Date Time : 29.12.2023	Advertised Value (Rs.) : 99,99,999.87
Earnest Money (Rs.) : 1,20,000.00	Tender Cost (Rs.) : 00
Bidding Start Date : 15.12.2023	Period of Completion : 12 Month
Tender No. Date	238-DRM-MB-23-24 dt. 05.12.2023
Name of work	Heavy repair to Divisional Scout Hut & L-88/A Scout Hut in North Colony/MB and repair to road surface in Harthala Railway colony under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date Time : 29.12.2023	Advertised Value (Rs.) : 79,99,989.57
Earnest Money (Rs.) : 1,60,000.00	Tender Cost (Rs.) : 00
Bidding Start Date : 15.12.2023	Period of Completion : 06 Month
Tender No. Date	239-DRM-MB-23-24 dt. 05.12.2023
Name of work	Zone-2 (2023-24) from CH-MB, CH-HGJ, RJK-SHTS section (excluding ZRT1,CH & MB) for staff qtr's & service building under ADEN-CH.
Tender Closing Date Time : 29.12.2023	Advertised Value (Rs.) : 71,99,999.99
Earnest Money (Rs.) : 1,44,000.00	Tender Cost (Rs.) : 00
Bidding Start Date : 15.12.2023	Period of Completion : 12 Month

पत्रांक– 73-W/2/3WA/Publication दिनांक– 05.12.2023 3820/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डेस्टिनेशन उत्तराखंड एनर्जी कॉनक्लेव : 40 हजार करोड़ से अधिक का हुआ एमओयू

हेल्थ पोर्टल

8 -सब सेंटर लेवल की एएनएम अलग-अलग मरीजों की सूची सीधे पोर्टल पर करेंगी अपलोड

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत मंगलवार को सचिवालय में आयोजित उत्तराखंड एनर्जी कॉनक्लेव में मुख्यमंत्री की उपस्थित में 40 हजार 4 सौ 23 करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किये गये। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए अपार संभावनाएं हैं।
उत्तराखंड राज्य की अवधारणा में ऊर्जा सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। औद्योगिक जगत से जुड़े लोगों के सुझावों के आधार पर 27 नई नीतियां बनाई गई हैं और अनेक नीतियों को सरल बनाया गया है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि 08 और 09 दिसम्बर 2023 को एफआरआई में डेस्टिनेशन उत्तराखंड, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का राज्य को लगातार मार्गदर्शन मिल रहा है। उनके वाइब्रेंट गुजरात की प्रेरणा से ही प्रदेश में डेस्टिनेशन उत्तराखंड पर कार्य किया जा रहा है।
मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आज कॉनक्लेव में प्राप्त सभी सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाए। सभी जिलाधिकारियों और एसएसपी को भी निर्देश दिये गये हैं कि औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ समय-समय पर बैठक की जाए और उनकी समस्याओं का उचित समाधान भी निकाला जाए।
उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग स्थापित करने वाले लोगों के साथ राज्य सरकार सहयोगी के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने कॉनक्लेव में आये सभी लोगों को इन्वेस्टर्स समिट के लिए भी आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं, सबको संभावनाओं का सदुपयोग करना है। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि राज्य में ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने की काफी संभावनाएं हैं, इसके लिए तीनों निगमों को एकजुटता से कार्य करने हैं।

शांतिकुंज में राज्य कला उत्सव का शुभारंभ

कला उत्सव

8 तीन दिवसीय उत्सव में उत्तराखंड के सभी तेरह जिलों के 248 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव का शुभारंभ हुआ। इस उत्सव में उत्तराखंड के सभी तेरह जिलों के 248 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। यह आयोजन समग्र शिक्षा उत्तराखंड के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। शुभारंभ करते हुए अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुखद्वय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य को संवारने का सुनहरा अवसर है। इस समय अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ उत्सव, प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए अपने कौशल, हुनर, ज्ञान को परिमार्जित करना चाहिए।
गायत्री विद्यापीठ की व्यवस्था मंडल प्रमुख शेफाली पण्ड्या ने भी कला उत्सव की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।
उत्सव के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्य शिक्षाधिकारी के के गुप्ता ने कहा कि उत्तराखंड आध्यात्मिक भूमि है। उन्होंने कहा कि शुचिता व अनुशासन का पालन करते हुए अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, आप अवश्य सफल होंगे। गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य सीताराम सिन्हा ने कहा कि कला उत्सव में उत्साह के साथ भागीदारी करें। आपकी लगन व मेहनत सफलता के द्वार खोलेगा।
तीन दिवसीय इस राज्य कला उत्सव में उत्तराखंड के सभी जिलों के 248 विद्यार्थी शास्त्रीय संगीत, गढ़वाली संगीत-नृत्य, कुमाउंनी संगीत-नृत्य, चित्रकला, नाटक, उत्तराखण्ड की पारंपरिक गीत सहित दस विधाओं में अपने कौशल व हुनर का प्रदर्शन करेंगे।
उद्घाटन सत्र का संचालन प्रद्युम्न रावत, सहायक राज्य परियोजना निदेशक उत्तराखंड ने किया।

कुमाऊं विवि की दो छात्राओं का एनएसएस के शिविर के लिये चयन

नैनीताल/टीम एक्शन इंडिया
कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल की दो छात्राओं-तनीषा जोशी व हर्षिता पाठक का चयन एनएसएस यानी राष्ट्रीय सेवा योजना के अटल बिहारी बाजपेई इंसिट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एप्लाइड स्पोर्ट्स स्टेडियम मनाली में आयोजित होने जा रहे दस दिवसीय साहसिक शिविर के लिए हुआ है।
बताया गया है कि तनीषा व हर्षिता बीएससी तृतीय सेमेस्टर में अध्यनरत एनएसएस की स्वयंसेविकाएं हैं।

स्र38वें राष्ट्रीय खेल अभूतपूर्व और गौरवशाली होंगे : मुख्यमंत्री

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में आयोजित होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेल अभूतपूर्व और गौरवशाली होंगे और निश्चित रूप से यह खेल राज्य को खेल भूमि के रूप में पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगें। मंगलवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल ध्वज हस्तांतरण और 37वें राष्ट्रीय खेल गोवा-2023 में उत्तराखंड के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में यह बातें कहीं।
मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन और राष्ट्रीय खेल ध्वज मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। देवभूमि को यह उपलब्धि प्रदान करने के लिए 37वें राष्ट्रीय खेलों के समापन अवसर पर राष्ट्रीय खेल ध्वज उपराष्ट्रपति की ओर से राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्या के नेतृत्व में गये प्रतिनिधि मण्डल को सौंपा गया था, जिसे आज राष्ट्रीय खेल सचिवालय, उत्तराखंड को सौंपा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खेल संस्कृति का निरन्तर प्रसार हो रहा है, जिसका प्रतिफल आज हम सबके समक्ष है। उत्तराखंड राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निरन्तर बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड राज्य के खिलाड़ियों द्वारा 18 पदक प्राप्त किये गये थे जबकि इस वर्ष 37वें राष्ट्रीय खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने 24 पदक अर्जित किये हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में अपना वर्चस्व भी स्थापित करेंगे इसका उन्हें विश्वास है। खेल से सद्भावना व आपसी एकता बढ़ती है। खिलाड़ियों में सिर्फ खेल की भावना होती है। वे जाति, धर्म व सीमा के बंधन से आजाद होते हैं। समाज के लोगों को खिलाड़ियों से सबक लेने की जरूरत है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज नये भारत, शक्तिशाली भारत, गौरवशाली भारत का निर्माण हो रहा है साथ ही खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। अब हमारे देश में खिलाड़ियों के सामर्थ्य का सम्मान हो रहा है। किसी देश में खेल का ईको सिस्टम कितना बेहतर है यह ओलंपिक में उस देश के क्वालिफाई करने वाली खिलाड़ियों की संख्या से पता चलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2012 में लंदन में हुए ओलंपिक के लिए भारत के 83 एथलीट ने क्वालिफाई किया था। लेकिन, मोदी सरकार के रहते हुए दो ओलंपिक रियो डी जेनेरियो 2016 और टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए क्रमशः 117 और 126 खिलाड़ियों ने क्वालिफाई किया।

संक्षिप्त खबरें

मोदी सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि अब जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से पूर्णतया मुक्त हो जाएगा : शाह

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को झारखंड के हजारीबाग में सीमा सुरक्षा बल के 59वें स्थापना दिवस परेड समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर शाह ने स्पष्ट किया कि, ह्यमोदी सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि अब जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से पूर्णतया मुक्त हो जाएगा।ह्णपूरा देश जानता है कि दशकों से भारत के विकास में वामपंथी उग्रवाद एक बाधा बन कर खड़ा रहा है, लेकिन आजाद भारत के किसी भी सरकार ने इस समस्या का समाधान नहीं निकाला। वामपंथी उग्रवाद का दंश झेल रहा क्षेत्र और भी पिछड़ता चला गया। साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वामपंथी उग्रवाद से निपटने की दिशा में जोर-शोर से प्रयास किया जाने लगा। साल 2019 में जब अमित शाह ने केंद्रीय गृह मंत्री का पदभार संभाला, उसके बाद मोदी-शाह की जोड़ी ने वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल की है। मोदी जी की दूरदर्शिता और शाह की सटीक रणनीतियों से साल 2022 और 2023 में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ बड़ी सफलताएँ प्राप्त हुई हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के नए शिविर की स्थापना और उनकी तैनाती शाह की योजनाओं की प्राथमिकता है। 199 नए कैंपों की स्थापना और गश्त बढ़ने से वामपंथी उग्रवादियों की सभी प्रकार के संसाधनों में कमी आई है। पिछले 9 सालों में मोदी सरकार के प्रयासों की वजह से हिंसा की घटनाओं में 52 प्रतिशत की कमी और मृत्यु की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। प्रभावित जिले 96 से घटकर 45 रह गए हैं और पुलिस स्टेशन 495 से घटकर 176 रह गए हैं।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में इतिहास में पहली बार इन जंगलों से घिरे गाँवों में मतदान केंद्र बने और लोगों ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दुर्गम इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुए, जो क्षेत्र को नक्सलवाद से मुक्त करने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में शाह के अकूत प्रयासों को दशार्ता है। दशकों से नक्सलवाद और लाल आतंक का गढ़ रहे झारखंड का बूढ़ा पहाड़ और खरबंदा जैसे दुर्गम क्षेत्र अब नक्सलियों के कब्जे से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। जिस बूढ़ा पहाड़ पर नक्सलवादी जन अदालत लगाकर क्षेत्र के निवासियों पर अपना फरमान जारी करते थे, उस बूढ़ा पहाड़ पर अब स्कूल खुल चुका है। सिमटते हुए वामपंथी उग्रवाद पर अंतिम प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार है। आज अमृतकाल में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम कगार पर है। ऐसे में, वामपंथी उग्रवाद से देश को मुक्त कराने के लिए कटिबद्ध मोदी-शाह की जोड़ी का यह दावा सच साबित होने वाला है कि अब वह दिन दूर नहीं जब पूरा देश वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा।

आईआईएम काशीपुर ने मार्केटिंग इनोवेशन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
भारत के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम काशीपुर की ओर से 16 से 18 दिसंबर तक अपने परिसर में ह्यमार्केटिंग इनोवेशनह्ण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी, यूएसए में प्रतिष्ठित अर्ल वी. स्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।
वर्तमान दौर में मार्केटिंग संबंधी क्रांतिकारी बदलाव के बीच इस सम्मेलन का उद्देश्य हालिया तकनीकी प्रगति और जेनरेटिव-एआई, स्मार्ट डिवाइसेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, वर्चुअल रियलिटी और ऑग्मेंटेड रियलिटी जैसे डिजिटल परिवर्तनों के प्रभाव को उजागर करना है। इन बदलावों के बाद अनेक नए प्लेटफार्मों की शुरूआत हुई है, जो मार्केटियर्स को मार्केटिंग के चार ह्यपीह्ण (प्रोडक्ट, प्लेस, प्राइस, प्रमोशन) से संबंधित अधिक कुशल, रचनात्मक और डेटा-संचालित रणनीतियों को अपनाने के साधन प्रदान करते हैं।
मार्केटिंग के प्रतिष्ठित प्रोफेसर और अर्ल वी. स्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर, सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी, यूएसए के व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. एसपी राज और आईआईएम काशीपुर के डायरेक्टर डॉ. कुलभूषण बलूनी इस सम्मेलन के संरक्षक हैं।

नोवा आईवीएफ देहरादून में इन्फर्टिलिटी के संघर्ष में जोड़ों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जाता है

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
देहरादून के नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी क्लिनिक में इन्फर्टिलिटी से परेशान 10 में से कम से कम 6 जोड़ों को अपनी मेंटल हेल्थ में कई चुनौतियों का सामना करते देखा गया है। प्रजनन उपचार की भावनात्मक चुनौतीपूर्ण और परेशान करने वाली प्रकृति के कारण मरीज निराशा, चिंता और अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं का अनुभव कर सकते हैं। यह भावनाएँ मरीज के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। परिणामस्वरूप, प्रजनन उपचार से गुजर रहे लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श देना बहुत ही जरूरी है।
इन्फर्टिलिटी से परेशान जोड़ों के लिए भावनात्मक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बोलते हुए नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी देहरादून में काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट और सर्टिफाइड योगा इंस्ट्रक्टर नेहा ने कहा कि जब जोड़े इन्फर्टिलिटी के कठिनाई भरे सफर से गुजरते हैं तो यह जानना बेहद जरूरी है कि भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी होता है जितना शारीरिक स्वास्थ्य का रखा जाता है इनफर्टिलिटी जोड़ों की भावनाओं और रिश्तों के साथ-साथ पूरे मानसिक स्वास्थ्य पर भी अपना असर दिखा सकती है। इन्फर्टिलिटी से जूझ रहे जोड़े बहुत शर्मिंदगी महसूस करते है और उन्हें शादियों, गोद भराई आदि जैसे सामाजिक समारोहों में तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता है। नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी में प्रजनन उपचार से गुजर रहे जोड़ों को अपने भावनात्मक स्वास्थ्य का अच्छे तरह से ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। पिछले साल से हमने आईवीएफ कराने व प्रजनन उपचार से गुजरने वाले जोड़ों के तनाव को कम करने के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श के साथ योग और प्राणायाम जैसी भावनात्मक स्वास्थ्य की गतिविधियाँ शुरू कीं।
इन्फर्टिलिटी की चुनौतियों का सामना करने वाले जोड़ों के लिए शारीरिक स्वास्थ्य जितने मायने रखता है उतने ही मायने भावनात्मक स्वास्थ्य भी रखता है नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी देहरादून में फर्टिलिटी कंसल्टैंट डॉ. अभिनय सिंह ने कहा हमने देखा है कि इन्फर्टिलिटी से जूझ रहे जोड़े अक्सर तनावग्रस्त रहते हैं, और भावनात्मक रूप से संघर्ष करते हैं।
सबसे पहले और सबसे जरूरी फर्टिलिटी विशेषज्ञ का काम है कि वह जोड़ों को प्रभावित करने वाली स्थिति के बारे में सहानुभूति से समझाएं और उनके सभी सवालों का जवाब ऐसे दें जो वो आसानी से समझ सकें। यह भी बहुत जरूरी है कि उन्हें उपचार के सभी उपलब्ध विकल्पों के बारे में खुलकर बताया जाए। सबसे अहम बात प्रजनन उपचार के परिणाम को वास्तविक रूप से प्रबंधित करना है।

निर्विरोध हुए टैक्स बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार टैक्स बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता विवेक धीमान, उपाध्यक्ष पद पर शैलेंद्र सिंह, सचिव पद पर विकास कालरा, सहसचिव पद पर सनोज कुमार व कोषाध्यक्ष पद पर अजय धीमान निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।
चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता रणवीर शर्मा और विपिन कुमार की देखरेख में विवेक विहार कालोनी में संपन्न हुए चुनाव में सभी पदों पर एक-एक ही नामांकन आने से सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

एचडीएफसी बैंक, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब ने आई-इनोवेट लॉन्च किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अग्रणी एचडीएफसी बैंक ने आज आई-इनोवेट पेश करने के लिए रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की, जो एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो विशेष रूप से दिव्यांग व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने वाले चौंपियन फिनटेक के लिए डिजाइन की गई है। यह पहल विशेष रूप से सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) का लाभ उठाने पर केंद्रित है ताकि न केवल वृद्धि की जा सके, बल्कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव भी लाया जा सके।
एचडीएफसी बैंक की रिटेल ब्रांच बैंकिंग हेड स्मिता भगत ने कहा कि लगभग तीन-चौथाई दिव्यांग व्यक्ति देश के ग्रामीण हिस्सों में रहते हैं। हमारे देश में विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के पास औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुँच का अभाव है। एचडीएफसी बैंक वित्तीय सेवा को अपनाने में अंतराल की पहचान करने और समावेशी वित्तीय उत्पादों को नया करने के लिए आरबीआईएच के साथ सहयोग कर रहा है जो आर्थिक स्वतंत्रता को सक्षम बनाता है और विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाता है। हम सभी के लिए एक बैंक हैं, और मानते हैं कि विशेष जरूरतों वाले व्यक्तियों के लिए वित्तीय समावेशन कोई विशिष्ट एजेंडा नहीं है यह राष्ट्रव्यापी आर्थिक विकास और नवाचार के लिए उत्प्रेरक है।
हमारा लक्ष्य स्पष्ट है - एक ऐसी बैंकिंग प्रणाली का निर्माण करना जो भारत जितनी ही विविधतापूर्ण हो।
शालिनी सहाय, हेड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस - मार्केटिंग और पार्टनरशिप्स, आरबीआईएच ने कहा कि यह साझेदारी वित्त में नवाचार और समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ब्लाइंड मर्डर का 24 घंटे के भीतर खुलासा, हत्यारोपित गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पथरी थाना क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर केस का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्यारोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना से पूर्व मृतक व हत्यारोपित दोनों ने साथ बैठकर शराब पी थी।
एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि कल पथरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फेरुपुर में एक व्यक्ति का शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। छानबीन में शव की पहचान महेंद्र पुत्र प्रकाश निवासी ग्राम डांडीपुर जसोवाला थाना सहसपुर जनपद देहरादून के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित किया।
मृतक के भाई पाल सिंह की लिखित तहरीर पर थाना पथरी में हत्या के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज चैक करते हुए पुलिस हत्यारोपी तक पहुंची। आज मंगलवार पुलिस ने हत्यारोपी ऋतिक पुत्र अमर सिंह निवासी धनपुरा थाना पथरी हरिद्वार को कटारपुर चौक से गिरफ्तार कर लिया।
पूछताछ में हत्यारोपित ने बताया कि घटना वाली शाम महेंद्र उसे नशे की हालत में मिला था जहां दोनों की पहले आपस में बातचीत हुई और फिर दोनों ने साथ में शराब पी।
इस दौरान महेंद्र ने गाली-गलौच की जिसके बाद दोनों में मारपीट हुई। इसके बाद गुस्से में आकर उसने खेत से गन्ना तोड़कर मृतक पर कई वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पोर्टल से देनी होंगी डेली ऑनलाइन डाटा रिपोर्ट

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
जिले के किसी भी क्षेत्र में फैल रही बीमारियों के बारे में पता लगाने के लिए इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पोर्टल की शुरूआत की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के हेल्थ सेंटर की एएनएम संबंधित एरिया में बढ़ने वाली बीमारियों का केस बेस डेटा सीधे पोर्टल पर अपलोड करेंगी, जिस पर ध्यान रखते हुए जनपद, प्रदेश और केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग को उसके निवारण के लिए गंभीर कदम उठाने में सहूलियत होगी।
पोर्टल के बारे में जानकारी दिए जाने को लेकर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग चमोली की जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. उमा रावत ने ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, एएनएम, ब्लॉक कॉर्डिनेटर आशा कार्यक्रम, आशा फैसिलिटेटर, डाटा एंट्री ऑपरेटर को एक दिवसीय ट्रेनिंग दी। एसएमओ डॉ. उमा रावत ने इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म पोर्टल पर बीमारियों का रिकॉर्ड अपलोड करने की जानकारी दी।
जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि जिले के अलग-अलग एरिया में बीमारियों के लक्षण की पुष्टि होने पर सूचना ऑनलाइन माध्यम से हैल्थ विभाग को प्राप्त हो जायेगी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व बीमारियों का आंकड़ा हेल्थ ऑफिसर प्रदेश सरकार और केंद्रीय हेल्थ विभाग तक पहुंचने में करीब एक महीने का वक्त लगता था। ऐसे में बीमारियों के प्रकोप को कंट्रोल करने के लिए हेल्थ विभाग की ओर से गंभीर कदम उठाने में देर हो जाती थी। इसको ध्यान में रखते हुए हेल्थ विभाग ने इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफार्म पोर्टल पर मरीजों में होने वाली बीमारियों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने की हिदायत दी। जिससे की बीमारी के फैलने से पूर्व पता चल सके। बीमारी का निदान करने के लिए तत्काल कदम उठाये जा सके।
इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, डॉ, शैली यादव, आशीष सती, नरेन्द्र सिंह, अजय पुंडीर, उदय सिंह रावत चन्द्रकला ममगाई आदि मौजूद थे।

डीजीपी ने पत्रकार से मारपीट मामले में एसएसपी को दिए जांच के निर्देश

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पत्रकार जोगेंद्र सिंह के साथ मारपीट प्रकरण में उल्टा उनके खिलाफ ही मुकदमा दायर किए जाने का मामला पुलिस महानिदेशक के दरबार में पहुंच गया है। डीजीपी के मौखिक आदेश पर एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने जांच कर न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।
उन्होंने पीड़ित पत्रकार से पूरे प्रकरण के बारे में जानकारी मांगी है।
जोगेंद्र सिंह अखबार के लिए खबर लिखकर एक दिसंबर की रात करीब पौने नौ बजे घर जाने के लिए निकले। ऑफिस के सामने कार यूके 17एम 9889 में बैठे कुछ युवक शराब पी रहे थे। उन्होंने उन्हें ऑफिस के सामने शराब पीने से मना किया, तो इस मामले में आरोपित कृष्ण लाल ग्रोवर उर्फ अवि ग्रोवर निवासी सिविल लाइन रुड़की व उसके साथियों ने उनके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। इस प्रकरण में जोगेंद्र सिंह की तहरीर पर कोतवाली प्रभारी ज्वालापुर ने 20 घंटे से अधिक का समय लगाया, लेकिन दूसरे पक्ष के द्वारा पत्रकार के खिलाफ तहरीर लेकर नामजद मुकदमा दर्ज कर दिया।
पत्रकार जोगेंद्र ने पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार को पूरे मामले से अवगत कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि पत्रकार के साथ हुए प्रकरण की निष्पक्ष जांच होगी।
उन्होंने एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल को मौखिक तौर पर पूरे प्रकरण में जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। इस पर एसएसपी ने पत्रकार से पूरे प्रकरण की जानकारी मांगी है।

संपादकीय

विधानसभा चुनाव में फ्लॉप हुआ जातीय जनगणना का मुद्दा

राहुल गांधी ने विधानसभा चुनावों में जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ निजी हमले जारी रखे। कांग्रेस और विपक्ष को सबसे ज्यादा उम्मीद जातीय जनगणन के मुद्दे से थी। असल में बिहार में नीतीश सरकार द्वारा जातीय जनगणन कराने और फिर उसके आंकड़े सार्वजनिक करने के बाद से विपक्ष उत्साह में था। विपक्ष को लग रहा था कि उसके हाथ जाति जनगणना का मुद्दा ब्रहास्त्र की तरह है। और वो इस अस्त्र से मोदी सरकार को सत्ता से बाहर कर देगा। लेकिन जातीय जनगणना मुद्दा हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और कल्याणकारी योजनाओं के नीचे दबकर दम तोड़ गया। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से निजी तौर पर टारगेट किया, और पनौती से लेकर जेबकतरा तक बता डाला। चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि लोगों ने ऐसी बातों पर बिलकुल भी ध्यान नहीं दिया है। चुनाव नतीजों के बाद अब ये साफ हो चुका है कि 2024 में तो ये सब बिलकुल नहीं चलेगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पूर्व जब संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल आया था, तभी राहुल गांधी ने ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठाया, केंद्र सरकार में तैनात ओबीसी सचिवों की संख्या पर सवाल खड़े किये- और पूरे चुनाव के दौरान जातिगत जनगणना की मांग करते रहे। इसमें षक की कोई गुंजाइष ही नहीं है कि जातीय गणना का मुद्दा, राज्यों के चुनाव में, फ्लॉप रहा। हालांकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का अनुसरण करते हुए जातीय गणना का मुद्दा खूब उछाला गया। यहां तक वायदा किया गया कि 2024 में केंद्र में विपक्ष की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय गणना कराई जाएगी। इस पर आरक्षित जमात के युवाओं ने भी कांग्रेस को समर्थन नहीं दिया। संसद के विशेष सत्र के बाद तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना कराने की जोर शोर से मांग की थी। कांग्रेस ने तो कार्यसमिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर जातिगत जनगणना का चुनावी वादा भी कर डाला था। हालांकि कांग्रेस पार्टी में कुछ नेताओं ने दबी जुबान में जातिगत गणना का विरोध भी किया, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सामने वह दबता हुआ नजर आया। मुद्दा विहीन संपूर्ण विपक्ष और खासकर ने कांग्रेस ने मध्य प्रदेष, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में इस मुद्दे पर खूब शोर मचाया था। राहुल गांधी अपनी चुनावी रैलियों में जातीय गणना की वकालत करते रहे और इस मुद्दे को लेकर बीजेपी पर हमले करते रहे. उन्होंने एक रैली में कहा था कि जातीय गणना एक 'एक्स-र' की तरह होगी, जो विभिन्न समुदायों का पूरा विवरण देगी। राहुल गांधी ने जातीय गणना के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखे हमले किए थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में एक रैली में कहा था कि, 'पीएम मोदी हर भाषण में कहते हैं, ह्यमैं ओबीसी हूं'. लेकिन जब मैं जाति जनगणना के बारे में बात करता हूं, तो वे कहते हैं कि भारत में कोई जाति नहीं है. भारत में केवल एक ही जाति है, वो है गरीब। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे समेत कई पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नकली ओबीसी' करार दिया था। कुल मिलाकर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में, खास तौर पर राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जातीय गणना के मुद्दे को जमकर हवा दी और इसके जरिए पिछड़ी जातियों के वोट बटोरने की कोशिश की, लेकिन उसकी यह कोशिश कामयाब नहीं हो सकी।

राजस्थान में आपसी कलह से हारी कांग्रेस

रमेश सर्राफ धमोरा

"चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे"

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बना बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सीमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सीमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए। चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्ही दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटवाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होडिंगों में अशोक गहलोत

की छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे। सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ। चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा। अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश पर भारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने मे ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी की सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष, सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट के जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है।

अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिली। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया। अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निदेशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे। कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी जनता में अपनी खोई पैंठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की ओर अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है।

कविता

तुझ को क्या मालूम किन ऊँचाइयों में खो गया
जब तेरी यादों की मैं गहराइयों में खो गया
हेच लगती है मुझे अब दिलकशीये - कायनात
यूँ मैं तेरे हुस्न की जेबाइयों में खो गया
बादशाहे हफ़्त किशवर हो या हो कोई फकीर
हर कोई ही वक़्त की अंगड़ाइयों में खो गया
शह्र का हर फूलो फल मस्नूई रंगत है लिए
हर कुदरती हुस्न अब सहराइयों में खो गया
अब तो बस ये दर्दो सोजो कर्ब का है मकबिरा
जिस्म का सारा सुकूँ पुरवाइयों में खो गया
हैफ वो चेहरा कि जिसको देखकर जीते थे हम
बद गुमानी की घनी परछाइयों में खो गया
लाए थे जिस को बना कर हम शरीके अंजुमन
वो भी अपने आशिकों शैदाइयों में खो गया
जंगलों को छोड़ कर वो शह्र क्यों जाते के जब
शह्र खुद ही बादिया पैमाइयों में खो गया
हर घड़ी रहता था जिसके साथ इक जम्मे गफीर
आज वो भी कब्र की तन्हाइयों में खो गया
किस कदर गम से भरी उस की कहानी है के जो
दुश्मनों में था नुमायाँ भाइयों में खो गया
मुझ से क्या मतलब के वो कहहार है जब्बार है
मैं तो बस उस की करम फरमाइयों में खो गया
हाँ वही मअसूम जो था अम्न का पैगाम्बर
जाने क्यों वो मअर्का आराइयों में खो गया

जकी तारिक बाराबंकवी

तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का वर्चस्व , घबराहट में क्षेत्रीय दल !

पांच राज्यों के चुनाव में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है । गौरतलब है कि केंद्र और राज्य में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली ।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा । ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला । अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है।

विचार

अखबारों और लेखकों की हालत चिंताजनक है

विजय गर्ग

समाचार-पत्रों ने समाज में जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भूमिका किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, विश्व के सभी दूरदर्शी देशों में समाचार पत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका से कोई इनकार नहीं कर सकता। मीडिया और विशेषकर प्रिंट मीडिया में जनमत को आकार देने की अविश्वसनीय शक्ति है। समाचार-पत्र नीति निर्माण में जनता की राय एकत्रित करने और नीति निमार्ताओं तक जनता की राय पहुंचाने के लिए एक सेतु का काम करते हैं। भारत में समाचार पत्रों द्वारा पारंपरिक पत्रकारिता की सेवा की जाती हैकई उतार-चढ़ाव देखे हैं। चाहे वह पहला अंग्रेजी भाषा का समाचार पत्र हो, 1779 में जेम्स हिक्की द्वारा प्रकाशित बंगाल गजट हो, या वे समाचार पत्र जो 19वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने लगे। सरकारी प्रतिबंध, आर्थिक मंदी और टेलीविजन के विस्तार ने पहले भी समाचार पत्र उद्योग को हिलाकर रख दिया है, लेकिन पहले कभी यह सवाल नहीं पूछा गया कि क्या प्रिंट मीडिया भारत में जीवित रहेगा या नहीं। लेकिन आज अखबारों और लेखकों को भी जीवित रहने के लिए गूगल और फेसबुक को हराना होगा। प्रश्न यह है कि गिरावट कहाँ स्थित हैरास्ता देखते हुए वे ऐसा कैसे करेंगे? सबसे महत्वपूर्ण कारक समाचार वाहक गूगल, फेसबुक और अन्य का उदय है। एक तरफ वे किसी और द्वारा तैयार की गई खबरें छीन लेते हैं और दूसरी तरफ अखबारों की आजीविका छीन लेते हैं। इससे भी बदतर स्थिति अखबार लिखने वालों की है जो हर दिन कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन जब उन्हें भुगतान मिलता है, तो यह समुद्र में मोती खोजने जैसा है, लेकिन लेखक के पास कोई सहारा नहीं होता है। इंटरनेट पर सामग्री की प्रचुरता के कारण समाचार पत्र कहीं से भी उठाया जा सकता हैके लिए छड़ी ऐसे में न तो लेखक की जरूरत होती है और न ही लेखक के सहारे की। इसके कारण आज पत्रकारिता धूर्त लोगों का व्यवसाय बन गई है, जो सैकड़ों प्रतियां छापते हैं या डिजिटल संस्करण लाते हैं और बदले में विज्ञापनों से पैसा कमाते हैं। इतना ही नहीं, ऐसे लोग लेखकों को साहित्यिक समर्थन देने के बजाय सवाल पूछते हैं। लेखक अपने लेख प्रकाशित करने के लिए पैसे भी मांगते हैं। ऐसी पत्रकारिता शर्मनाक है. यह चिंताजनक स्थिति है क्योंकि समाचार पत्र अपने प्रारूप के कारण आज भी विश्वसनीय हैं, यह तय है। एक अखबारआर पूरा हो गया है. यह अंततः तैयार है, अपने आप में, निश्चित है। इसके विपरीत, डिजिटल समाचार लगातार अद्यतन, बेहतर और परिवर्तित होते रहते हैं। यह ह्लसमाप्ति ही समाचार पत्रों की ताकत हैह्व एक बार कोई चीज छपने के बाद उसे टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म की तरह बदला नहीं जा सकता। लेकिन इस जटिल प्रारूप के लिए चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं। एक बड़ी दुविधा यह है कि क्या भारतीय पाठक गुणवत्तापूर्ण सामग्री के लिए भुगतान करने में रुचि रखते हैं, जबकि हर जगह मुफ्त सामग्री उपलब्ध है? इस सवाल का जवाब आसान नहीं है. यदि पाठक भुगतान नहीं करते हैं,नतीजा यह है कि अखबार भी भुगतान के नाम पर अपने लेखकों से मुंह मोड़ रहे हैं। लेकिन अगर लेखक ही नहीं बचे तो अखबार खत्म हो जायेंगे। इसलिए लेखकों को जीवित रखना समाचार पत्रों की जिम्मेदारी है। अखबारों के साथ सोचने वाली बात यह है कि लेखकों की आर्थिक स्थिति क्या है? मैं ज्यादा तो नहीं जानता, लेकिन कुछ बड़े लेखकों और पत्रकारों को छोड़ दें तो सिर्फ लिखकर अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल है। एकमुश्त दो लाख रुपये देखना सपना है. एक साथ इतना पैसा देखकर लेखक अभिभूत क्यों हो जाता है? अखबार की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी नींव हैयह संरचित भी है, जो इसकी समस्या भी है। यह बहुत बड़ा है, क्योंकि बड़ी संपादकीय टीमों, प्रिंटिंग प्रेस, सकुर्लेशन और मार्केटिंग नेटवर्क के कारण उद्योग बड़ी संख्या में मानव श्रम पर निर्भर है। अधिकांश समाचार पत्र अपने राजस्व से उत्पादन लागत पर सब्सिडी देते हैं। सरकार से कोई समर्थन न मिलने के कारण प्रचलन दिन-ब-दिन कम होती जा रही है. लगभग सभी अखबारों की यही कहानी है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

कमाल की इंसानियत

आज के समय में इंसानियत ढूँढ़ना मतलब पानी पर पानी लिखने जैसा काम है। काश इंसानियत का नाम महंगाई होता हर जगह देखने को मिल जाती। मगर वो कहते है न, कि जब जब लोगो का इंसानियत पर से विश्वास उठा है, तब तब कोई न कोई सच्चा इंसान सामने आकर लोगो में इंसानियत का अलख बनकर जल उठता है। बहरहाल आज हम आपको एक ऐसी ही इंसानियत की निशानी वाली कहानी से रूबरू करवाना चाहते है। ये इंसानियत की कहानी उन हजारों बेरहमों के लिए एक मिसाल है, जो आज भी इंसानियत का खून करते हैं। चुनाव का मौसम था रिक्शा चलाने वाले रामू काका कड़ी दुपहरिया में पेट पालने के लिए मजबूर थे। बदन ऐसा कि उनका साथ नहीं दे रहा था। इसी रिक्शा से उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया, काबिल बनाया, बच्चे थे कि उन्हें धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया। जब से साँप आस्तिन में ज्यादा और धरती पर कम रहने लगे हैं, तब से ये घटनाएँ आम हो चली हैं। रामू काका हमेशा रोया करते थे। बच्चों ने उन्हें दूध में से मक्खी की तरह बाहर कर दिया था। एक वक्त था उनके लिये पैसे मायने नहीं रखते। बच्चों को ही सब कुछ समझते थे। बच्चे थे कि पैसों के सिवाय किसी और चीज को नहीं समझते थे। उन्होंने सोचा भी नहीं था एक दिन ऐसा आएगा जब उनके पास न पैसे होंगे ना ही कोई काम। ऐसे में हाथ जोड़ते हुए एक दिन एक आदमी आया और उसने बिना किसी सवाल-जवाब के अगले दो महीने के लिए रामू काका के खाने-पीने और दूसरी जरूरतों की जिम्मेदारी ले ली। उसे पता था की रामू काका बेसहारा हैं पर उसने काका की आंखो का दर्द देख लिया था। उसको लोगों ने कहा कि तुम काका की मदद क्यों करते हो उन्हें तो उनके बेटे तक नहीं पूछते। ऐसे में तुम क्यों तकलीफ उठाते हो। आदमी था कि लोगों की बात अनसुना कर रामू काका की मदद करने लगा। लेकिन फिर वह कई सालों के लिए गायब हो गया। रामू काका ने न जाने उसकी क्या मदद की थी कि वह फिर कुछ सालों के बाद आया और उसी तरह उनकी मदद करने लगा। उसकी मदद किसी इंसानियत से कम नहीं थी।

न्यायालय व राजस्व ऑफिसों के दलालों की अब खैर नहीं

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर तेजी से डिजिटलाइजेशन हो रहा है। पारदर्शिता तेजी से बढ़ रही है महीनों का काम मिनटों से लेकर सेकंडो में हो रहा है। एक क्लिक से हजारों करोड़ रुपए गरीबों, किसानों, वंचितों के खातों में सीधे जा रहा है जिससे भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि इसे जीरो टॉलरेंस तक पहुंचाया जा सके परंतु बड़े बुजुर्गों की कहावतें सच है कि नियम बनते ही तोड़ने के लिए हैं और कानून में भी अनेक लीकेजेज होते हैं जिसका फायदा जानकार लोग उठा ही लेते हैं, परंतु सरकार भी इन लिकेजेस पर संज्ञान लेकर कानूनों में संशोधन कर उसे बंद करने का प्रयास करती है, इस प्रकार का संज्ञान कानून व्यवसाई अधिनियम के तहत आने वाले सभी पहलू पहले से ही अधिवक्ता अधिनियम 1961 में शामिल है।परंतु न्यायालय क्षेत्र में भी दलालों की बढ़ती दस्तक, कार्यरेखा, हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए, उच्च न्यायालय जिला न्यायालय, सत्र न्यायालय, राजस्व अधिकारी जैसे एसडीओ तहसीलदार पटवारी सहित सभी निचले स्तर तक कार्यालयों ने अपने परिसर में कार्य करने वाले ज्ञात दलालों की सूची बनाकर उनका वहां प्रसारण कर प्रवेश प्रतिबंधित कर सके और इस परिसर में दिखने पर 3 माह की सजा या 500 रुपए जुमार्ना या दोनों के रूप में सजा के पात्र होंगे। आज हम करीब करीब हर शासकीय कार्यालय में देखते हैं कि नीचे से लेकर ऊपर तक दलालों का ही बोलबाला है और करीब करीब हरएक छोटे से लेकर बड़ा काम भी हर शासकीय कार्यालय में दलालों के हस्ते ही शीघ्रता से होता है बस!! मोटी रकम लगती है जो कि पूरी चैनल को बटती है यह मेरी नजरों के सामने होते ही रहता है। या यूं कहें कि अधिकतम नागरिक इस चैनल से पीड़ित हैं जिसकी मुख्य कड़ी दलाल ही होता है।

न्यूज फ्लैश

भगौड़ा घोषित अपराधी काबू

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
पीओ स्टॉफ की टीम ने विभिन्न मामलो में पीओ अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। अपराधी को आज थाना सिविल लाइन के हवाले किया गया। थाना सिविल लाइन द्वारा आरोपी को न्यायालय में पेश करके आगे की कार्यवाही की जाएगी। जिला पुलिस के सभी थानों और पीओ स्टाफ की टीम द्वारा प्रतिदिन पीओ-बेल जंपर अपराधियों को पकड़ा जा रहा है। 4 दिसंबर को पीओ स्टाफ की टीम ने अदालत के आदेशों की बार-बार उल्लंघना करने वाले पीओ आरोपी रामदास पुत्र अनूप सिंह वासी सनौली पानीपत को गिरफ्तार किया। आरोपी रामदास को थाना बुटाना में सन् 2014 में आईपीसी धारा 420, 467, 468, 120बी के तहत दर्ज एक मामले में कोर्ट के आदेशों की उल्लंघना करने पर पीओ घोषित किया गया था। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन में आईपीसी की धारा 174ए के तहत तीन मुकदमे दर्ज किए गए थे।

लाल डोरा प्रोपर्टी धारकों के लिए विशेष अभियान 31 दिसंबर तक : अनीश यादव

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, यह सिर्फ कानूनी दस्तावेज देने की योजनाभर नहीं है, बल्कि यह आधुनिक तकनीकी से जिला के गांवों में विकास और विश्वास का नया मंत्र भी है।
उन्होंने योजना की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा जिला करनाल सहित प्रदेशभर में लाल डोरा प्रोप्रटी धारकों के लिए 31 दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अवधि में भू मालिक पोर्टल पर संपति का डाटा स्वयं सत्यापित करने व त्रुटि के निवारण के लिए आवेदन करें।

9 दिसंबर को करनाल में होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन : सीजीएम

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुश्री जसबीर कौर ने बताया कि आगामी 9 दिसंबर को प्रातः 10 बजे करनाल के जिला कोर्ट कॉम्पलेक्स में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रशेखर करेंगे।
समय और पैसे दोनों की बचत: सीजेएम ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों की न्याय दिलाने में मदद करना है। इससे समय व पैसे दोनों की बचत होती हैं। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। किसी भी आमजन का यदि कोई मामला लंबित है तो इस लोक अदालत में मामले की सुनवाई के लिए ला सकता है और निपटारा करवा सकता है। इस दौरान दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजनामे से सौहार्दपूर्ण माहौल में पक्षकारों की रजामंदी से मामले को निपटाया जाता है।

अंतर विद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
ओपीएस विद्या मंदिर में सहोदया स्कूल परिसर की ओर से अंतर विद्यालय समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. लता सबीखि (सेवानिवृत्त) प्रमुख वैज्ञानिक एवं मुख्य अधिकारी डेयरी टेक्नोलॉजी (राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान) एवं डॉ. योगिता शर्मा (पीजीटी संगीत) ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी सरस्वती जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया। उसके उपरांत स्वागत गीत से कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानित व्यक्तियों का स्वागत किया गया। इस अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में 12 स्कूलों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। प्रतिभागियों ने हरियाणा की संस्कृति के साथ-साथ राजस्थान व अन्य राज्यों की संस्कृति को अपने नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया। पारंपरिक परिधान में सभी प्रतिभागी नृत्य प्रस्तुत करते हुए आंचलिक छटा को प्रदर्शित कर रहे थे।
इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ओपीएस विद्या मंदिर सेक्टर-13, द्वितीय स्थान दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर-7 एवं तृतीय स्थान पार्थ पब्लिक स्कूल ने प्राप्त किया।चेयर पर्सन सुषमा बंसल ने विजयी टीम को बधाई दी।

हर विद्यार्थी को सबसे पहले सुनने की कला सीखनी चाहिए : प्रीतपाल सिंह

अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी दिवस पर हुआ देश की बात कार्यक्रम का आयोजन

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
आए हैं हम दूर-दूर से सबको यह समझाने भेदभाव को मिटा प्यार का, मन में दीप जगाने, देशभक्ति के इस गीत के साथ माउंट लिटरा जी स्कूल के विद्यार्थियों ने आज अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी दिवस के अवसर पर देश की बात कार्यक्रम का आगाज किया।
सामाजिक संस्था नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टीविस्टस (निफा) द्वारा सहोदय स्कूल काम्प्लेक्स, जेनेसिस क्लासेज व कानन इंटरनेशनल के सहयोग से विगत 26 नवम्बर से शुरू हुए देश की बात कार्यक्रम के तहत आज का मोटिवेशनल सेशन माउंट लिटरा जी स्कूल में रखा गया। मुख्य वक्ता व निफा के संस्थापक अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु ने कहा कि आज के दिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वयंसेवा के वैश्विक दिवस का दर्जा दिया गया है और यह दिन स्वैच्छिक सामाजिक सेवा करने वाले संगठनों व समाज सेवियों के उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया की हर बड़ी यूनिवर्सिटी अपने विद्यार्थियों की दाखिला प्रक्रिया व स्कालरशिप देते समय सामुदायिक सेवा करने वाले विद्यार्थियों को विशेष अहमियत देती है व अक्सर समाजसेवी संवेदनशील व्यक्ति को नौकरी के साक्षात्कार में भी तरजीह दी जाती है। उन्होंने हर विद्यार्थी को सामुदायिक सेवा को सफलता के एक मंत्र के रूप में अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाने की सलाह दी। 26 नवम्बर से लेकर 26 जनवरी तक लगातार चलने वाले देश की बात कार्यक्रम में निफा के संस्थापक अध्यक्ष द्वारा विद्यार्थियों को एक सफल व जिम्मेदार नागरिक बनने के लिये आवश्यक गुण सिखाये जा रहे हैं। पन्नु ने कहा कि हर विद्यार्थी को सबसे पहले सुनने की कला सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हर समय अपने आसपास अनेक आवाजें सुनाई देती हैं, लेकिन हमें याद वो ही रहती हैं, जिन्हें हम ध्यानपूर्वक सुनते हैं। जो भी विद्यार्थी अपने अध्यापकों की शिक्षा, दादा दादी, नाना नानी, माँ बाप की सलाह, और समाज के प्रबुद्ध लोगों की बातों को ध्यान से सुनकर उसमें से अच्छी बातों को जीवन में लागू करते हैं, वह ही सफलता के शिखर तक पहुँचते हैं।

लगातार घटती जा रही है मिट्टी की उपजाऊ क्षमता : सोहन सिंह

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
हर साल 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है लोगों के मिट्टी के महत्व के बारे में जागरुक करना। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा उप कृषि निदेशक वजीर सिंह की अध्यक्षता में विश्व मृदा दिवस 2023 का आयोजन किया गया। सोहन सिंह राणा, प्रगतिशील किसान जिला परिषद करनाल के प्रतिनिधि के तौर पर मुख्य अतिथि मौजूद रहे।
उप कृषि निदेशक वजीर सिंह ने बताया कि विश्व मृदा दिवस बढ़ती जनसंख्या की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने तथा लोगों को मुदा स्वास्थय के बारे में जागरुक करले तमा संसाधन के रूप में मिट्टी के स्थायी प्रधन की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।
सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी सुरेन्द्र टामक ने बताया कि इस वर्ष विश्व मृदा दिवस 2023 का विषय मिट्टी और पानी, जीवन का स्त्रोत है। हमारा 95 प्रतिशत से अधिक भोजन इन दो संसाधनों से उत्पन्न होता है।
सोहन सिंह राणा ने बताया कि आज खेतों मे किसानों द्वारा अत्याधिक रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाईयों का इस्तमाल किया जाता है, जिसके फलस्वरूप मिट्टी के जैविक गुणों में कमी आ रही है और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता घटती जा रही है। जो खाद्य सुरक्षा पेड-पौधों के विकास कीड़ों और जीवों के जीवन और आवास व मानव जाति के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। ऐसे में मिट्टी का संरक्षण काफी आवश्यक हो गया है।

करनाल : मोटापे का मुख्य कारण आपकी जीवन शैली : दिनेश गुलाटी

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
प्रसिद्ध योग शिक्षक दिनेश गुलाटी ने मेरा मिशन स्वस्थ भारत के अन्तर्गत योग कक्षा श्री कृष्ण कृपा धाम सेक्टर 9 में योग एवं प्राणायाम की शिक्षा दी। दिनेश गुलाटी ने योग साधकों को सबसे पहले वजन को कम करने के लिए आसन और व्यायाम करवाए। कक्षा में शिक्षिका शिवानी कंबोज और कुसुम राणा ने साधकों को कई तरह के सूक्ष्म क्रियाएं और सर्वाइकल दूर करने के अभ्यास करवाए।
उन्होंने कहा कि मोटापे का मुख्य कारण जीवन शैली से संबंधित है। दूसरा कारण है शारीरिक गतिविधियों में कमी का होना और योग को वजन घटाने के लिए सबसे कारगर और सफल तरीका माना गया है। उन्होंने बताया कि वजन कम करने की प्रक्रिया के दौरान निष्ठा, प्रतिबद्धता और अनुशासित जीवन शैली भी मिलती है।
दिनेश गुलाटी ने कहा कि योग द्वारा वजन काम करने की प्रक्रिया धीमी जरूर है, परंतु इससे स्थाई समाधान मिलता है।

मारपीट कर छीना झपटी करने वाला तीसरा आरोपी काबू

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
थाना सेक्टर 32-33 की टीम द्वारा छीना झपटी करने वाले आरोपी विक्रम उर्फ राजू पुत्र मदनपाल वासी पृथ्वी विहार करनाल को जिला कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया गया। मामले में पहले ही दो आरोपी अनिल और अशोक को गिरफ्तार कर छीने गए एक मोबाइल फोन व पैसे बरामद किए जा चुके हैं। दोनों आरोपी अनिल और अशोक को जेल भेजा जा चुका है। इस संबंध में शिकायतकर्ता आविद वासी बडोली उत्तर प्रदेश से ग्रीन बेल्ट करनाल से 12 जून 2022 में अज्ञात आरोपियों द्वारा मारपीट कर एक मोबाइल और पैसे छीन लिए गए थे। इस संबंध में थाना सेक्टर 32-33 में 12 जून 2022 को आईपीसी की धारा-379बी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

खेलकूद में हिस्सा लेने से विद्यार्थियों में मेलजोल की भावना का होता है विकास

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
गांव नलवीपार स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में राज्य स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लेकर आए खिलाडि ?ों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सभी 14 खिलाडि ?ों को कृषि निरीक्षक कृष्ण चंद शर्मा ने ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य शिक्षक सुभाष लांबा ने की। मुख्य अतिथि कृष्ण चंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों का शारीरिक व बौद्धिक विकास तेज होता है। उनमें और अन्य विद्यार्थियों में साफ फर्क महसूस किया जा सकता है।
इन कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में मेलजोल व सहयोग की भावना पैदा होती है।
ग्राम सरपंच पूर्णचंद ने बच्चों को बधाई देते हुए भविष्य में और अधिक मेहनत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्याध्यापक रवि गौतम, हरिचंद, दर्शन कुमार, इशा शर्मा, सीमा ठाकुर, वीना, भावना, लक्ष्मी, ऋषिराज, कृषि अधिकारी कमल, पंकज, बलवान, प्रमोद, सोमवीर, बच्चे सलोनी, प्रिया, समता, समृद्धि, विनय, सोनाक्षी, गीतांजलि उपस्थित रहे।

मनुष्य का सारा जीवन मिट्टी पर निर्भर : डॉ. विजय अरोड़ा

करनाल/टीम एक्शन इंडिया।
महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय द्वारा कुलपति सुधीर राजपाल के निर्देशन में अनुसंधान निदेशक प्रो. रमेश गोयल की देखरेख में गांव अंजनथली में विश्व मृदा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में गांव व आसपास के प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। डीएसडब्ल्यू प्रो. रंजन गुप्ता ने विश्व मृदा दिवस क्यों शुरू हुआ और आम जीवन में मृदा की क्या जरुरत है? इस बारे में विस्तार से जानकारी दी।
मृदा वैज्ञानिक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि मनुष्य का सारा जीवन मिट्टी पर निर्भर है। संपूर्ण पशु जगत का भोजन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मृदा से प्राप्त होता है। जिस तरह पानी के बिना जीवन की कल्पना मुमकिन नहीं, ठीक उसी तरह मिट्टी का भी महत्व है। भारत का तो आधी आबादी ही कृषि पर निर्भर है। लेकिन खेतों में किसानों द्वारा बहुत ज्यादा केमिकल्स वाले खाद और कीटनाशक दवाइयों का इस्तेमाल से मिट्टी की गुणवत्ता में कमी आ रही है। जो खाद्य सुरक्षा, पेड-पौधों के विकास, कीड़ों और जीवों के जीवन और आवास व मानव जाति के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। ऐसे में मिट्टी का संरक्षण बहुत जरूरी हो गया है।
उन्होंने बताया कि इस वर्ष मृदा दिवस का विषय मिट्टी और पानी जीवन का एक स्त्रोत है। बढ़ती हुई आबादी, औद्योगिकरण, सघन तथा अविज्ञानी कृषि से मृदा स्वास्थ्य में बहुत गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए भूमि में रासायनिक उर्वरक के अलावा गोबर की खाद, हरी खाद, कंपोस्ट, वर्मी कंपोस्ट, बॉयो फर्टिलाइजर, बॉयो गैस स्लरी व पोल्ट्री मनोर आदि का प्रयोग करें। इससे भूमि में जैविक की वृद्धि होगी और भूमि में रासायनिक, भौतिक व जैविक शक्ति का निर्माण होगा।
डॉ. पंकज बोदला ने फसलों में बीमारी को रोकने के लिए जैविक नियंत्रण पर जोर दिया, जिससे फफूंदनाशकों पर निर्भरता कम हो सकें। डॉ. गौरव सिंह ने फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन से होने से फसलों को हानिकारण कीटों से बचाव के बारे में बताया।

डोडा पोस्त सप्लाई मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
स्पेशल स्टॉफ असंध की टीम द्वारा 7 जुलाई को आरोपी गुरमंगत सिंह उर्फ राजू पुत्र सिंगारा सिंह वासी खेड़ी सरफली को विश्वसनीय सूचना पर खेड़ी सरफली से गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के कब्जे से पांच किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद की गई है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना असंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।
आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया था कि वह यह डोडा पोस्त अपने साथी स्वर्ण सिंह वासी नीलोखेड़ी और गुरविंदर सिंह वासी मंढवाल कैथल के साथ मिलकर मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले से लेकर आया था, जिसको यह छोटी छोटी मात्रा में ऊंची कीमत पर चलते फिरते नशा करने वालो को बेचकर पैसा कमाते हैं। आरोपी गुरमंगत को 8 जुलाई को न्यायालय में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। आरोपी स्वर्ण सिंह वासी नीलोखेड़ी को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके जेल भेज दिया गया था।

डोडा पोस्त सप्लाई करने वाला काबू, भेजा जेल

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
सीआईए वन के नेतृत्व में टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। 17 अक्टूबर को टीम द्वारा विश्वसनीय सूचना पर आरोपी हरविंदर सिंह उर्फ राजू पुत्र सुखवंत सिंह वासी खेड़ी सर्फअली को उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। कब्जे से 45 किलो 135 ग्राम डोडा पोस्त बरामद की गई थी। इस संबंध में थाना असंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस पूछताछ में पाया गया कि आरोपी के पास यह डोडा पोस्त कुलदीप सिंह वासी असंध देकर जाता है, जिसको वह राजस्थान से लेकर आता है और यहां लाकर चलते फिरते नशा करने वालों को बेचकर पैसा कमाते हैं। हरविंदर को 18 अक्टूबर को न्यायालय में पेश करके तीन दिन का रिमांड हासिल कर जेल भेज दिया गया था।

'सरकार ने हर वर्ग को लाभ देने के लिए तैयार की योजनाएं'

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि हमारा संकल्प विकसित यात्रा के तहत पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। यात्रा के तहत सरकारी अधिकारी व कर्मचारी द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों की समस्या का हल करने का प्रयास किया जाता है। अगर किसी कारण से कोई काम नहीं हो सकता, उसकी जानकारी भी लोगों को दी जाती है।
उन्होंने कहा कि अगर देश व प्रदेश में विकास हुआ है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हुआ है। उन्होंने कहा कि इसका अंदाजा घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों से ही लगा सकते हैं।
मंगलवार को प्रधानमंत्री विकसित भारत संकल्प यात्रा का गांव गुढ़ा व रसीन में आगाज हुआ। गांव में पहुंचे विधायक हरविंद्र कल्याण व यात्रा का ग्रामीणों ने अभिनन्दन किया और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विधायक ने योजनाओं के बारे ने बारीकी से वर्णन किया। केंद्र व प्रदेश सरकार के नौ साल के कार्यकाल में सरकार ने हर वर्ग को लाभ देने के लिए योजनाएं तैयार की। वर्ष 2047 में देश को विकसित करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को विधायक हरविंद्र कल्याण ने सम्मानित किया। वहीं प्रसाशन की ओर से स्टॉल भी लगाई गई, जहाँ पर लोगों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया गया। विधायक हरविंद्र कल्याण ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार के नौ साल के कार्यकाल में सरकार ने हर वर्ग को लाभ देने के लिए योजनाएं तैयार की है और लोगों को उसका लाभ भी मिल रहा है।

करनाल: नगला रोड़ान पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
छठे दिन आज विकसित भारत संकल्प यात्रा जिला के गांव गांगर और नगला रोड़ान पहुंची। दोनों जगह यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। गांगर में मुख्य अतिथि हरियाणा पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम की चेयरपर्सन निर्मला बैरागी ने सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिये उठाये गये कदमों की जानकारी दी। वहीं नगला रोड़ान में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य अमरनाथ सौदा ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य न केवल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाना, लोगों से फीडबैक लेना है बल्कि मौके पर ही जन समस्याओं का समाधान करना भी है। आज उज्ज्वला योजना के तहत गांगर में छह और नगला रोड़ान में तीन महिलाओं को मुफ्त गैस कनैक्शन उपलब्ध कराये गये।
गांगर में सरपंच नेहा ने निर्मला बैरागी और नगला रोड़ान में जसविंद्र ने अमरनाथ सौदा का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद मुख्य अतिथियों ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाये गये स्टाल्स का अवलोकन किया और लोगों से बातचीत की। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया और हरियाणा में हुये विकास कार्यों से संबंधित लघु फिल्म दिखाई गई। गांगर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुमेरचंद कंबोज और नगला रोड़ान में मुख्य अतिथि ने संकल्प शपथ दिलाई। चेयरपर्सन निर्मला बैरागी ने कहा कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिये अनेक कदम उठाये हैं। सरकार का संकल्प है कि पंक्ति में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।
उन्होंने कार्यकताओं से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि कोई पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। सरकार ने पंचायतों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है। उज्ज्वला योजना के तहत लाखों महिलाओं को गैस कनेकशन उपलब्ध कराये गये हैं। घर-घर शौचालयों का निर्माण कराया गया है। महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये राज्य में 32 कालेज खोले गये हैं।
सरकार व जनता के सहयोग से राज्य में लिंगानुपात बढकर 932 हो गया है जो 2014 में 837 था।
नगला रोड़ान में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य अमरनाथ सौदा ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि लोगों को गांव में ही मूल सुविधायें उपलब्ध कराई जायें। सरकार ने हर वर्ग के लिये योजनायें शुरू की हैं। यात्रा 25 जनवरी तक जारी रहेगी। यात्रा के माध्यम से लोगों की समस्याओं का भी मौके पर समाधान किया जा रहा है।

सैनिक स्कूल कुंजपुरा में कक्षा छठी व 9वीं के दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित

करनाल/टीम एक्शन इंडिया
सैनिक स्कूल कुंजपुरा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए कक्षा छठी व नौवीं में दाखिले के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। पात्र अभ्यर्थी वेबसाइट एक्जाम.एनटीए.एसी.इन/एआईएस एसईई पर आगामी 16 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन कक्षाओं में दाखिले हेतु अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (एआईएसएसईई) 2024 का आयोजन 21 जनवरी 2024 को होगा। परीक्षा ओएमआर शीट पर बहुविकल्पीय प्रश्नावली के रूप में होगी।
सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि कक्षा छठी में प्रवेश हेतु छात्रों की जन्मतिथि पहली अप्रैल, 2012 तथा 31 मार्च 2014 (दोनों तिथियां मान्य) के बीच होनी चाहिए।
कक्षा नौवीं में प्रवेश हेतु छात्रों की जन्मतिथि पहली अप्रैल, 2009 तथा 31 मार्च, 2011 (दोनों तिथियां मान्य) के बीच होनी चाहिए। कक्षा छठी के लिए 100 सीट (लडके 90 व लड़कियां 10) तथा कक्षा नौवीं के लिए 21 (लडके) अनुमानित रिक्त स्थान हैं, जो कि कभी भी घटाए या बढ़ाए जा सकते हैं।
उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत सीटें हरियाणा के बच्चों के लिए तथा 33 प्रतिशत सीटें अन्य राज्यों के लिए आरक्षित हैं। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए गणित, सामान्य ज्ञान (विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन), भाषा और बुद्धि परीक्षण (इंटेलिजेंस) विषयों से संबंधित 125 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा कुल 300 अंकों की होगी और इसकी समयावधि 150 मिनट होगी। इसी तरह नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए गणित, अंग्रेजी, बुद्धि परीक्षण, सामान्य विज्ञान और सामाजिक अध्ययन विषयों से संबंधित 150 प्रश्न पूछे जाएंगे।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़े-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते है। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते है, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते है।

- ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही है, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि.ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पथरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक गिलास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलझमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते है।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक गिलास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रहती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी चमकीला बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व सिफ्ल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेशे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक वह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते है।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटें। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो अ

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। अपना कार्य दूसरे के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता होगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बने हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद होगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं को पराजय होगी। कुछ आर्थिक झुकावएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पक्ष का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रू रे रो ता ती तू ते

संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। परिजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ाएगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर — भो जा जी खी खू खे खो गा गी

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2668

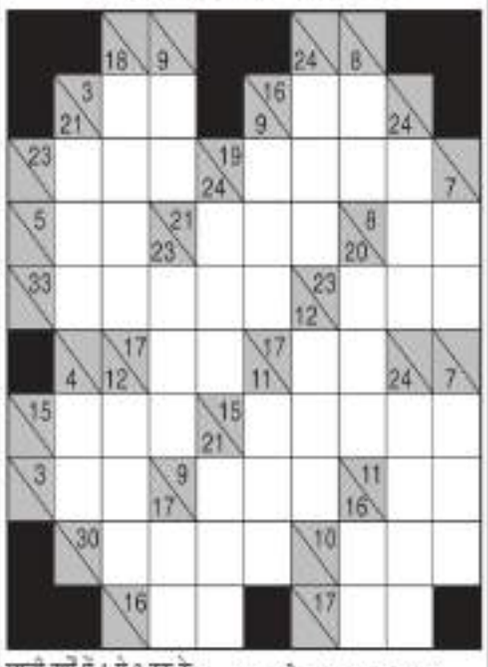

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2667 का हल

हंसी के फव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूंगा.

□ □ □

'कुंवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुंवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊंगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2668

बायें से दायें:-

१. राज, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, या.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'तुम ही क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म '[illegible]' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ऐ चल बहार वाली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'वो उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फराह की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है ?-२
२२. संजयदत्त, फराह की 'ओ गुड़िया जो बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, महिमा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कहा सुना' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये लड़की ये लड़की' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अमिषा पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'मुझको ये दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'नौकर' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2667

सूडोकु -2668

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे आने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2667 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2668

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़प्पन-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.कर्णेन्द्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.नीर-3
22.जल,नीर-2
24.पीड़ा-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -2667 का हल

भले ही हार जाएं लेकिन भारत के खिलाफ बैजबॉल शैली ही इस्तेमाल करेंगे : मैकुलम

बेंगलुरू । 'बैजबॉल' ने टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की बल्लेबाजी के आयाम को बदल दिया है और टीम के न्यूजीलैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम को स्पष्ट है कि भारत के खिलाफ 5 टेस्ट की श्रृंखला का नतीजा भले ही कुछ भी हो लेकिन उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति पर बरकरार रहेगी। इंग्लैंड को अगले साल 25 जनवरी से

हैदराबाद, विशाखापत्तनम, राजकोट, रांची और धर्मशाला में भारत के खिलाफ 5 टेस्ट की श्रृंखला खेलनी है और श्रृंखला के दौरान स्पिन की अनुकूल पिचें मिलने की उम्मीद है। 'बैजबॉल' शब्द मैकुलम के उपनाम 'बैज' और उनकी आक्रामक रणनीति के आधार पर गढ़ा गया है। इस शब्द को 'कोलिन्स शब्दकोश' में भी जगह मिली है। बैजबॉल का अर्थ है कि टेस्ट क्रिकेट में खेलने की वह शैली जिसमें बल्लेबाजी टीम बेहद आक्रामक अंदाज में खेलकर अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास करती है।मैकुलम ने कहा कि भारत में होने वाले 5 टेस्ट में हमें बेहद अच्छी भारतीय टीम के खिलाफ कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने कहा कि मैं इसे लेकर रोमांचित हूं क्योंकि आप सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खुद को परखना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अपनी परिस्थितियों में भारत सर्वश्रेष्ठ है। यह हमारे लिए अच्छी चुनौती होगी। अगर हमें सफलता मिलती है तो यह शानदार होगा, अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर मुझे पता है कि हम उस शैली के आधार खेलते हुए हारेंगे जिसके अनुसार हम खेलना चाहते हैं।

ICC पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 अवॉर्ड के 5 दावेदार आए सामने

रियाद (सऊदी अरब)। आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में ICC क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किसे पहना जाएगा। यहां देखें शीर्ष 5 दावेदार-

शुभमन गिल (भारत)

शुभमन गिल 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं।

डेरिल मिशेल (न्यूजीलैंड)

डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है।

विराट कोहली (भारत)

विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे।

ट्रैविस हेड (ऑस्ट्रेलिया)

ट्रैविस हेड ने प्रमुख आईसीसी आयोजनों में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 28 मैचों में 47.02 की औसत से 3 शतकों के साथ 1599 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए।

रोहित शर्मा (भारत)

टी20 इंटरनेशनल से बाहर रहने के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 34 मैचों में 51.28 की औसत और 4 शतकों के साथ 1795 रन बनाए।

टी20 विश्व कपः आपको बल्लेबाज से ज्यादा एक नेता के रूप में उनकी जरूरत है, कैफ ने की रोहित की तारीफ

विशाखापत्तनम। आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सपनों को चकनाचूर कर दिया और अब क्रिकेट जगत का ध्यान टी20 विश्व कप 2024 पर केंद्रित हो गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि हार के बीच रोहित शर्मा का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप 2024 में टीम का नेतृत्व करने के लिए आपको बल्लेबाज रोहित शर्मा से ज्यादा कप्तान रोहित की जरूरत है। एकदिवसीय विश्व कप फाइनल तक भारतीय टीम की यात्रा लगातार दस जीतों से चिह्नित थी जिसका समापन अहमदाबाद में आस्ट्रेलियाई टीम के हाथों हार से समाप्त हुआ। 240 के स्कोर और ऑस्ट्रेलिया की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत को पहली हार का सामना करना पड़ा जिससे उन्हें 50 ओवर का विश्व खिताब गंवाना पड़ा।

ईसीबी ने महिला क्रिकेटरों के लिए की 2023/24 केंद्रीय अनुबंध की घोषणा, 18 क्रिकेटर शामिल

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2023/24 के लिए सोमवार को महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंध की घोषणा की है। 2023/24 सत्र के लिए अठारह खिलाड़ियों को अनुबंध प्रदान किए गए हैं। माइया बाउचियर और डेनिएल गिब्सन को उनका पहला केंद्रीय अनुबंध दिया गया है।

गेंदबाज महिका गौर और लॉरेन फाइलर और विकेटकीपर-बल्लेबाज बेस हीथ को 2023 में सीनियर सेट-अप में प्रवेश करने के बाद विकास अनुबंध से सम्मानित किया गया है। ये विकास अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिए गए हैं जो इंग्लैंड महिला प्रबंधन टीम को लगता है कि वे भविष्य में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सभी अनुबंध 31 अक्टूबर 2024 तक के लिए मान्य हैं। इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक, जोनाथन फिंच ने कहा,

'केंद्रीय अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिए जाते हैं जो हमें लगता है कि अगले 12 महीनों और उससे आगे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अभूतपूर्व व्यस्त दौर की शुरुआत में हैं और समूह हमारे सामने आने वाले बहु-प्रारूप कार्यक्रम की आवश्यकताओं को दर्शाता है। माइया बाउचियर और डेनिएल गिब्सन गर्मियों में हमारे समूह का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है और आगे बढ़ने के लिए इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। उन्होंने कहा, -विकास अनुबंधों की शुरूआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें खिलाड़ियों के एक व्यापक समूह को उनके चल रहे विकास में समर्थन देने की अनुमति देता है और हम खिलाड़ियों के विकास और कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।'

इंग्लैंड महिला केंद्रीय अनुबंधित सूची में शामिल खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, ऐलिस कैप्सी, केट क्रॉस, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, टैश फ़ारंट, डेनिएल गिब्सन, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीदर नाइट, एम्मा लैम्ब, नेट साइवर-ब्रंट, इस्सी वोंग, डैनी व्याट।

आईसीसी टी20 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए मेजबान युगांडा की टीम घोषित

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए में 14 खिलाड़ियों की राष्ट्रीय टीम घोषित कर दी है। कोच लॉरेंस सेसेमातिम्बा ने एंटेबे क्रिकेट ओवल में 7 से 17 दिसंबर तक होने वाले क्वालीफायर से पहले सोमवार को टीम की घोषणा की।

सेसेमातिम्बा ने सिन्हुआ को बताया, हम इस टीम को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं और आखिरकार हमने उन खिलाड़ियों का चयन कर लिया है जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। युगांडा नामीबिया, नाइजीरिया और रवांडा के साथ ग्रुप बी में है और इसकी

कप्तानी कॉन्सी अकेको करेंगी। ग्रुप ए में जिम्बाब्वे, तंजानिया, बोत्सवाना और केन्या शामिल हैं।

शीर्ष दो टीमें अगले साल दुबई में वैश्विक क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। 2024 टी20 महिला विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश करेगा।

युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन के सीईओ एलन मुगुमे ने कहा, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ किया है कि हम अच्छे मेजबान हैं और एक मजबूत टीम भी मैदान में उतारेंगे जो क्वालीफायर के अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर सके।

युगांडा टीम इस प्रकार है:

केविन अबिनो, प्रोस्कोविया अलाको, आइरीन अलुमो, जेनेट म्बाबाज़ी, एवलिन एनीपो, कॉन्सी अवेको (कप्तान), पेट्रीसिया मालमेकिया, इमैक्युलेट नकिसुयुई, स्टेफ़नी नैम्पिना, लोनां अन्यैत, रीता मुसामाली, एस्तेर इलोकु, मालिस्सा एरियोकोट, सारा अकीतेंग। युगांडा 10 दिसंबर को रवांडा के खिलाफ क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

प्रधान मंत्री एकादश टीम से हटे माइकल नेसर, जॉर्डन बकिंघम प्रतिस्थापन के तौर पर शामिल

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर ने प्रधान मंत्री एकादश टीम से नाम वापस ले लिया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके राज्य क्वींसलैंड के हालिया शेफ़ील्ड शील्ड मैच के दौरान वह चोटिल हो गए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन बकिंघम प्रधान मंत्री एकादश की टीम में नेसर की जगह लेंगे, जो बुधवार से मनुका ओवल में मेहमान पाकिस्तान टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेलेगी। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने एक आधिकारिक बयान में कहा 'हम जानते हैं कि माइकल एक गुणवत्तापूर्ण खिलाड़ी है और हमने उसे टेस्ट टीम में प्रदर्शन करते देखा है और हम यह

सुनिश्चित करना चाहते हैं कि इस गर्मी में उन्हें अधिक टेस्ट क्रिकेट खेलने का अवसर मिले तो हम उसे प्रदर्शन के लिए तैयार होने का सबसे अच्छा मौका दे रहे हैं। हम माइकल के साथ सतर्क रुख अपना रहे हैं, चार दिवसीय पीएम एकादश के मैच में संभावित रूप से एक और बड़े गेंदबाजी भार का खतरा बहुत अधिक माना गया था। आने वाले दिनों में हम उनकी बिग बैश लीग उपलब्धता निर्धारित करने के लिए ब्रिस्बेन हीट की मेडिकल टीम के साथ काम करेंगे। नेसर ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के लिए पिछले साल एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था और इस साल की शुरुआत में एशेज दौरे के शुरुआती हिस्से में उन्हें पैट कमिंस की अगुवाई वाली टीम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। ।

दूसरी ओर, बकिंघम अब पीएम एकादश के मैच के लिए नाथन मैकएंड्रू और मार्क स्टेकेटी के साथ तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी उठाएंगे, जबकि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर अन्य तेज गेंदबाजी विकल्पों में शामिल होंगे।

पीकेएल 10 : मनिंदर सिंह का शानदार सुपर-10, बंगाल वॉरियर्स ने बैंगलुरु बुल्स पर दर्ज की रोमांचक जीत

अहमदाबाद। मनिंदर सिंह के 11 अंकों की बदौलत सोमवार रात ईकेए एरिना बाय ट्रांस स्टेडियम में एक रोमांचक मुकाबले में बंगाल वॉरियर्स ने बैंगलुरु बुल्स को एक रोमांचक मुकाबले में 32-30 से हराया। मनिंदर ने रात की पहली रेड के साथ जोरदार शुरूआत की। मनिंदर ने बंगाल को एक बोनस अंक के साथ-साथ एक टच प्वाइंट दिलाया। इस मैच को बड़े हमलावरों की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उसमें उन्होंने अपनी छाप छोड़ी।

हालांकि दूसरे छोर पर लंबे क़द के भरत को अपने पहले ही रेड में निपटा दिया गया। यह इस बात का एक अशुभ संकेत था कि मैच के दौरान चीजें उनके तथा उनकी टीम लिए कैसी होंगी। बैंगलुरु बुल्स को पहले अंक हासिल करने में चार मिनट से अधिक का समय लगा। इस टीम का खाता आदित्य शिंदे की 'डू ऑर डाई रेड के जरिए खुला।

बुल्स को खुद से दूर रखने के लिए वारियर्स ने नियमित अंतराल पर अंक हासिल करना जारी रखा, लेकिन नीरज नरवाल के एक सुपर रेड ने स्कहानी में नया मोड़ का दिया और इसे एक करीबी मुकाबले में बदल दिया, जिसमें वॉरियर्स हाफ टाइम तक 14-11 से आगे थे। वॉरियर्स ने हालांकि दूसरे हाफ में कुछ मिनटों में ही अपनी बढ़त बढ़ा दी। मनिंदर सिंह ने ऑल आउट का अंजाम देकर स्कोर 23-15 करते हुए उसे 8 अंक से आगे कर दिया। हालांकि, बेंगलुरु बुल्स ने इसके बाद धीरे-धीरे मुकाबले में वापसी की। छह मिनट शेष रहते हुए, उन्हें अपना खुद का ऑल आउट मिल गया, जिससे अंतर कम होकर दो हो गया और जब खेल खत्म होने में तीन मिनट शेष था तब दोनों टीमें 28-28 पर लॉक हो गई थीं। हालांकि खेल के आखिरी मिनट में विश्वास की रेड और दर्पण के टैकल ने बंगाल वॉरियर्स की जीत सुनिश्चित कर दी।

प्रदेश स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आठ दिसम्बर से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता आठ दिसम्बर से होगी। प्रतियोगिता 10 दिसम्बर तक चलेगी। जौनपुर के जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए पूरे

प्रदेश में तैयारियां शुरू हो गयी हैं। इसके लिए लखनऊ मंडल के टीम का चयन छह दिसम्बर को होगा। लखनऊ मंडल की टीम गठन के संदर्भ में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अजय सेठी ने बताया कि लखनऊ मंडल के टीम गठन का काम चौक स्टेडियम में छह दिसम्बर को 11 बजे से होगा। जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए अभ्यर्थियों की उम्र 20 वर्ष या उससे कम होना चाहिए। इसके साथ ही वजन 70 किग्रा या उससे कम होना चाहिए। पात्रता प्रमाण पत्र और जन्मतिथि प्रमाण पत्र सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित होना चाहिए।

कोरिया के खिलाफ मैच से भारत करेगा विश्वकप अभियान का आगाज

कुआलालंपुर। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 में भारत अपने अभियान की शुरुआत पूल सी में अपने पहले मैच में कोरिया के खिलाफ जीत के साथ करना चाहेगा। कुआलालंपुर के बुकिट जलील में नेशनल हॉकी स्टेडियम भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे यह मैच खेला जाएगा। कोरिया के खिलाफ शानदार रिकार्ड रखने वाली भारतीय टीम के हौसले बुलंद है। दोनों टीमे अब तक छह बार आमने सामने हो चुकी है जिसमें तीन मैच भारत के पक्ष में गये है जबकि दो में उसे हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका था। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थीं, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत श्रृंखला के लिए घोषित की टीम; मार्करम बने व्हाइट-बॉल कप्तान, टेस्ट की कमान बावुमा को

जोहान्सबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने भारत के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 10 दिसंबर से शुरू होने वाली बहु-प्रारूप श्रृंखला के लिए अपनी टीमों की घोषणा कर दी है।टीम में तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर और बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में बुलाया गया है; जबकि विकेटकीपर काइल वेरिन की भी टीम में वापसी हुई है।

एडेन मार्करम टी20 और वनडे टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि टेस्ट टीम का नेतृत्व टेम्बा बावुमा करेंगे।

बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को सफेद गेंद की श्रृंखला से आराम दिया गया है। पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण विश्व कप से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे सभी प्रारूपों में खेल से बाहर हैं और उनके पुनर्वास के लिए कोई समय सारिणी नहीं है। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर के साथ तेज गेंदबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। सीरीज की शुरुआत 10 दिसंबर को किंग्समीड स्टेडियम में तीन मैचों की टी20 सीरीज से होगी। दूसरा टी20 मैच 12 दिसंबर को सेंट जॉर्ज ओवल में और तीसरा और आखिरी टी-20 मैच 14 दिसंबर को वांडरर्स स्टेडियम में खेला

जाएगा। 50 ओवर का मुकाबला 17 दिसंबर को वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगा। दूसरा और अंतिम वनडे क्रमशः 19 दिसंबर और 21 दिसंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की टी-20 टीमः एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जके, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी (पहला और दूसरा टी-20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन (पहला और दूसरा टी-20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट टीमःतेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को जानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

दक्षिण अफ्रीका वनडे टीमः एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स।

आकाश चोपड़ा को उम्मीद, टी20 विश्व कप 2024 में दिखाई देंगे रवि बिश्नोई

मुंबई । युवा स्पिनर रवि बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वह शुरुआती सफलताएं दिलाने में कामयाब रहे और जब भारत मुश्किल में था तो वह कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए सहारा बने। वह पावरप्ले में भी अविश्वसनीय थे और इसलिए पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा को उम्मीद है कि बिश्नोई आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करेंगे जो 4 जून से शुरू होने वाला है।

चोपड़ा को यह भी लगता है कि 23 वर्षीय खिलाड़ी बेहद सुसंगत है और बल्लेबाजों के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य

अमेरिका की पिचें उनकी गेंदबाजी शैली के अनुकूल होंगी और यदि वह अच्छा आईपीएल आयोजित करने में सफल रहे तो वह निश्चित रूप से विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल होंगे।

चोपड़ा ने कहा, 'मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि यह लगभग पूरा हो चुका सौदा है। मुझे लगता है कि जिस तरह से वह गेंदबाजी कर रहा है और जितने विकेट ले रहा है, उसके कारण उसका नाम वहां रहेगा। वह सुसंगत है। वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और नई गेंद से गेंदबाजी करते हैं। मैच अमेरिका और वेस्टइंडीज में होंगे। धीमी पिचों पर हवा में थोड़ा तेज, मुझे लगता है कि वह मूल्य लाएगा। यह बच्चा अच्छी फील्डिंग करता है और कलाई के स्पिनर के रूप में वह बहुत सटीक है। मुझे लगता है कि अगर वह इसी तरह गेंदबाजी करते रहे और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया, तो उनका सौदा तय है।' विशेष रूप से बिश्नोई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में 9 विकेट लिए और अंततः उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भी बुलाया गया है, जहां स्पिनर कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। युजवेंद्र चहल भी टीम में हैं और अगर वह वनडे और फिर आईपीएल में अच्छा समय बिताने में सफल रहते हैं तो चहल भी दौड़ में वापस आ जाएंगे। इसलिए आने वाले महीनों में बिश्नोई के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण होगी।

विराट को दिखाना होगा टी20 में उनकी जगह कोई नहीं ले सकता : संजय मांजरेकर

नई दिल्ली । विराट कोहली को क्या आगामी टी20ई विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। सवाल के जवाब में भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि विराट को सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्हें दिखाना होगा कि वह अभी भी युवाओं से बेहतर विकल्प है। विराट कोहली जिन्होंने वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए थे, फाइनल मुकाबले में हार के बाद से अभी ब्रेक पर हैं।

विराट कोहली को दिखाना होगा कि वह वर्तमान में खेल रहे युवाओं और टी20 बल्लेबाज और कप्तान के रूप में रोहित शर्मा बनाम टी20 बल्लेबाज, ऑलराउंडर और कप्तान हार्दिक पंड्या से बेहतर विकल्प हैं।

मांजरेकर ने एक शो के दौरान कहा कि जब आगे चलकर सबसे छोटे प्रारूप के लिए चयन की बात आएगी तो भारत के कप्तान को हार्दिक पंड्या से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। विराट कोहली को दिखाना होगा कि वह वर्तमान में खेल रहे युवाओं और टी20 बल्लेबाज और कप्तान के रूप में रोहित शर्मा बनाम टी20 बल्लेबाज, ऑलराउंडर और कप्तान हार्दिक पंड्या से बेहतर विकल्प है।

58 वर्षीय ने टीम प्रबंधन से टीम को फॉर्म के आधार पर चुनने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि कौन जानता है कि जीवन में क्या होने वाला है? मुझे नहीं पता कि कल क्या होने वाला है। मेरा मानना ??है कि दृष्टिकोण बेहद सरल होना चाहिए। हमने बहुत सारे विश्व कप खेले हैं और उन्हें जीतने में सक्षम नहीं हैं। हम शायद विश्व कप के अंतिम चरण में थोड़ा अलग क्रिकेट खेलने लगते हैं जिससे मौका हमारे हाथ से निकल जाता है। इस बार इसे सरल बनाएं। विश्व कप के करीब फॉर्म के आधार पर अपनी टीम चुनें।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 06 दिसंबर 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

राजस्थान में करणपुर विधानसभा सीट पर 5 जनवरी को मतदान

जयपुर। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस सीट पर मतदान 05 जनवरी को और मतों की गणना 10 जनवरी को होगी। इस सीट के कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया था। निर्वाचन आयोग के मुताबिक करणपुर सीट के लिए 12 दिसंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। 19 दिसंबर नामांकन की आखिरी तारीख है। 20 को जांच और 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। पांच जनवरी को मतदान और 10 जनवरी को मतगणना होगी। कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के बाद इस सीट पर चुनाव रद्द किए गए थे। राज्य की 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान हुआ था और तीन दिसंबर को मतों की गणना की गई।

टीवी शो सीआईडी के अभिनेता दिनेश फड़नीस का निधन

मुंबई। टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'सीआईडी' में इंस्पेक्टर फ्रेडरिक्स का किरदार निभाने वाले अभिनेता दिनेश फड़नीस का निधन हो गया है। दिनेश कई दिन से अस्पताल में भर्ती थे। यह जानकारी सीआईडी सीरियल में 'दया' का किरदार निभाने वाले अभिनेता दयानंद शेट्टी ने दी है। दरअसल, पहले बताया गया कि अभिनेता दिनेश को दिल का दौरा पड़ा था। उनका 1 दिसंबर से मुंबई के तुंगा अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। अब दयानंद शेट्टी ने बताया कि उनका लीवर डैमेज हो गया है, जिसके बाद उनकी मौत की खबर सामने आई है। दयानंद शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए इस खबर की पुष्टि की। ह्हहां, यह सच है कि वे अब हमारे बीच नहीं हैं। मैं फिलहाल उनके घर पर हूं। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को दौलत नगर श्मशान घाट पर किया जाएगा। सीआईडी यूनिट के लगभग सभी लोग यहां मौजूद हैं।

दुर्दांत आतंकवादी लखबीर रोड़े की पाकिस्तान में मौत

चंडीगढ़। भारत का मोस्ट वांटेड एवं प्रतिबंधित आतंकी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स का प्रमुख लखबीर सिंह रोडे नहीं रहा। जरनैल सिंह भिंडरांवाले का सगा भतीजा रोडे पाकिस्तान में चल बसा।दो दिसंबर की रात उसकी मौत हुई है। अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने आज (मंगलवार)उसकी मौत की पुष्टि की। जसबीर सिंह रोडे ने कहा है कि भाई के बेटे ने उन्हें सूचित किया है कि लखबीर की पाकिस्तान में मौत हो गई है। हाल ही में पंजाब की सुरक्षा एजेंसियों ने खुलासा किया था कि रोडे ने करीब 70 स्लीपर सेल तैयार किए हैं। एक सेल में दो-तीन लोगों को शामिल किया गया है। पंजाब के मोगा में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने आतंकी लखबीर रोडे की करीब 43 कनाल जमीन को भी सील किया था। हालांकि लखबीर सिंह रोडे की मौत की खबर कुछ महीने पहले भी आई थी। तब उसने सोशल मीडिया में पोस्ट डालकर जिंदा होने का दावा किया था। भारत सरकार ने लखबीर सिंह रोडे को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था।

स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपदा, कॅरिअर के साथ दुआएं भी लें: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने 278 सहायक आचार्यों, 2142 स्टॉफ नर्स को दिए नियुक्ति पत्र

सीएम ने कहा

आज लगभग ढाई हजार नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है: योगी आदित्यनाथ

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नवचयनित 278 सहायक आचार्य, 2142 स्टाफ नर्स, 48 आयुष चिकित्सा शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने आपातकालीन एंबुलेंस सेवा के अंतर्गत 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस का फ्लैग ऑफ भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज लगभग ढाई हजार नवचयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। पिछले साढ़े छह वर्ष में स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सेवाओं में वृद्धि की है, उसी के क्रम में 674 एम्बुलेंस एवं 81 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस जोड़ी गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो सब बेकार है। ईश्वरीय कृपा से इसमें एलेपैथ और आयुर्वेद, दोनों के हैं। प्रदेश ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतरीन किया है। 2017 के पहले पहचान का संकट था। आप में से बहुत से लोग बाहर पढ़ने गए होंगे तो वे अपना नाम, अपने प्रदेश का नाम छिपाए होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले मेडिकल कॉलेजों की प्रदेश में संख्या 18 रही। आज हम हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रहे हैं।

18 से तो अधिक पांच साल में ही शुरू कर दिए हैं। अटल मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज संबद्ध किए गए हैं। आज कोई गरीब यह नहीं कह सकता कि धनाभाव में वह अपना इलाज नहीं करा पा रहा है। पांच लाख रुपये तक इलाज का खर्च आयुष्मान कार्ड और मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत उपलब्ध कराया जा रहा है। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स भी शुरू किए गए हैं। यह डबल इंजन की सरकार का प्रयास है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष से जुड़े प्रोफेसर और प्रिंसिपल नियमित रूप से ओपीडी में बैठें

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जाति के नाम पर विलाप करने वाले लोग समाज और देश को कमजोर करते हैं। 2017 के पहले प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतें इनके चेहरों को बेनकाब करती थीं। 40 वर्षों में इंसेफेलाइटिस से पचास हजार से अधिक बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन जाति-जाति करने वाले लोग वोट बैंक की राजनीति करते रहे, जो उनकी संवेदनहीनता को प्रदर्शित करती है। आज उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पूरी तरह से नियंत्रण में है। इससे होने वाली मौतों में 96 से 98 प्रतिशत तक की कमी आई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा और आयुष से जुड़े लेक्चरर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कॉलेजों के प्रिंसिपल नियमित ओपीडी में बैठें। जितने भी पेशेंट देखें, उनकी केस स्टडी तैयार करें। साथ ही चिकित्सा शिक्षा में शोध को बढ़ावा दें।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट की और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड विजय पर उनका अभिनंदन किया।

जिला अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों नें काटा हंगामा

बरेली। महिला जिला अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा। पुलिस ने मामले को शांत कराया। परिजनों का आरोप था कि वार्ड में मौजूद महिला नर्स के इंजेक्शन लगाने के बाद बच्ची की मौत हो गई। थाना कोतवाली के महिला जिला अस्पताल में सुबह अचानक बच्चा वार्ड परिसर में नवजात की मौत के बाद परिजनों नें जमकर हंगामा किया। महिला नर्स सुषमा दयाल का आरोप है कि बिहारीपुर निवासी शादाब पत्नी साहिला गर्भवती थी, जिसके बाद उनको जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला के ऑपरेशन के बाद उसको एक बेटी हुई। बेटी की हालात ठीक न होने पर नवजात को रेफर कर दिया गया था, लेकिन परिजन उसको जिला महिला अस्पताल में ही लेकर टहलते रहे। परिजनों को अस्पताल के स्टॉफ द्वारा बताया गया था कि शासन की ओर से निर्देश हैं कि एसएनसीयू (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) में बच्चे को भर्ती नहीं किया जा सकता है। उसके बाद बच्ची का पिता शादाब नवजात को लेकर जिला अस्पताल से चला गया था।

राजस्थान: दो महारानियों में टक्कर, किसे मिलेगा मौका

टीम एक्शन इंडिया/राजस्थान

राजनीति...

महिला को सीएम बनाने की रणनीति पर अमल करती है, तो दिया कुमारी इस रेस में सबसे आगे निकल सकती हैं।

राजस्थान में भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, इस पर तमाम कयासबाजी जारी है। सबसे ज्यादा संभावना इस बात की जताई जा रही है कि भाजपा आगामी चुनौतियों को देखते हुए किसी नए चेहरे पर दांव लगाएगी। ऐसे में राजस्थान में गजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व राजस्थान अध्यक्ष सतीश पूनिया, सांसद बाबा बालक नाथ, राज्यवर्धन सिंह राठौर सहित कई नामों की चर्चा चल रही है। इसके साथ ही जयपुर राजघराने की दिया कुमारी को भी इस दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है।

यदि पार्टी किसी महिला को मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर अमल करती है, तो दिया कुमारी इस रेस में सबसे आगे निकल सकती हैं। लेकिन चूंकि वसुंधरा राजे सिंधिया पहले ही इस पद पर अपनी दावेदारी ठोंक रही हैं, आने वाले दिनों में राजस्थान भाजपा में दो महारानियों के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है। दिया कुमारी नए चेहरे के तौर पर भाजपा आलाकमान की पहली पसंद हो सकती हैं तो वसुंधरा राजे सिंधिया अपने अनुभव और विधायकों-संगठन पर पकड़ के कारण उन पर भारी पड़ सकती हैं। भाजपा को तीन राज्यों में मिली शानदार जीत में महिला मतदाताओं की विशेष भूमिका मानी जा रही है। इसके पहले भी महिला मतदाता भाजपा की बड़ी ताकत बनकर उभरी हैं। चूंकि, अगले छह महीने के अंदर ही लोकसभा चुनाव भी होने हैं, भाजपा किसी महिला को मुख्यमंत्री बनाकर महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की एक और कोशिश कर सकती है। महिला समीकरणों में वसुंधरा राजे सिंधिया का नाम सबसे ताकतवर है, वे पहले भी दो बार राजस्थान की कमान संभाल चुकी हैं। राजनीतिक-प्रशासनिक अनुभव, संगठन पर पकड़ और पूरे राजस्थान में मतदाताओं में लोकप्रिय होने के कारण वे इस पद की बड़ी दावेदार हो सकती हैं। जयपुर स्थित अपने आवास पर नवनिर्वाचित विधायकों को भोजन पर आमंत्रित कर उन्होंने अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। इसके पहले वे राजस्थान के राज्यपाल से भी मुलाकात कर चुकी हैं।

भारतीय संस्कृति की पहचान और वाहक रही है संस्कृत: राष्ट्रपति

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

विभूषित किया

दीक्षांत समारोह में 4423 उपाधियां प्रदान कीं, वहीं सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह छात्रों को स्वर्णपदक से विभूषित किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति की पहचान और वाहक रही है। यह हमारे देश की प्रगति का आधार भी रही है। विश्वविद्यालय की विजिटर और राष्ट्रपति मुर्मू ने नई दिल्ली में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने जहां दीक्षांत समारोह में 4423 उपाधियां प्रदान कीं वहीं सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह छात्रों को स्वर्णपदक से विभूषित किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुरलीमनोहर पाठक सहित अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत का व्याकरण इस भाषा को अद्वितीय वैज्ञानिक आधार देता है। यह मानवीय प्रतिभा की अनूठी उपलब्धि है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्कृत आधारित शिक्षा प्रणाली में गुरु या आचार्य को अत्यधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र इस परंपरा का पालन करेंगे और अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता के साथ आगे बढ़ेंगे और शिक्षक भी छात्रों को जीवन भर आशीर्वाद देंगे और प्रेरित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्धिमान लोग सर्वोत्तम चीजों को स्वीकार करने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करते हैं।

विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की बैठक टली

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

बैठक स्थगित

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समय का हवाला देते हुए बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी।

विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए के घटक दलों की छह दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित बड़ी बैठक स्थगित कर दी गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह बैठक आहूत की थी। अब इसी तिथि पर एक छोटी बैठक कर आगामी बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी।

इस बैठक के स्थगित होने को लेकर कांग्रेस की ओर से कोई बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि घटक दलों के कई नेताओं के इस प्रस्तावित बैठक में शामिल नहीं होने की जानकारी मिलने के बाद अब यह बैठक 06 दिसंबर के स्थान पर इस महीने के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जाएगी। अब 06 दिसंबर को दिल्ली में एक छोटी बैठक कर आगामी बड़ी बैठक की तारीख तय की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी की प्रमुख ममता बनर्जी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस बैठक में नहीं आने की जानकारी दी थी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने समय का हवाला देते हुए बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी। ममता ने तो यहां तक कहा था कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने चक्रवाती तूफान मिचौंग से प्रभावित राज्य के क्षेत्रों का दौरा करने के कारण बैठक के लिए दिल्ली पहुंचने में असमर्थता जताई थी।

डेढ़ करोड़ से अधिक की अफीम बरामद, चार गिरफ्तार

शाहजहांपुर। पुलिस ने जैतीपुर और मदनापुर थाना क्षेत्र से बाइक सवार दो-दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को एक करोड़ साठ लाख रुपये कीमत की अफीम तस्करों के पास से मिली है। जैतीपुर थानाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने बताया की सोमवार को देर रात पुलिस टीम पडैनिया पुलिया के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने बाइक सवार दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तस्कर जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव कटका निवासी भंवरपाल उर्फ बबलू तथा रितेश है। उनके कब्जे से उच्च क़्वालिटी की डेढ़ किलोग्राम अफीम बरामद हुई है।

शिक्षक नियुक्ति परीक्षा के लिए किए गए हैं कड़े बंदोबस्त

टीम एक्शन इंडिया/बेगूसराय

बिहार लोक सेवा आयोग पटना द्वारा आयोजित होने वाले अध्यापक नियुक्ति परीक्षा (टीआरई-2.0) के सफल और कदाचार मुक्त संचालन की तैयारी कर ली गई है। बेगूसराय में आठ दिसम्बर को नौ, नौ दिसम्बर को 14, दस दिसम्बर को आठ तथा 14 एवं 15 दिसम्बर को 14-17 केन्द्रों पर एक पाली में परीक्षा होगी। डीएम रोशन कुशवाहा एवं एसपी योगेन्द्र कुमार ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रतिनियुक्त पदाधिकारी स्टैटिक दंडाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी-सह-गश्ती दंडाधिकारी, उड़नदस्ता दल, केंद्राधीक्षक एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आज कंकौल में नवनिर्मित प्रेक्षागृह-सह-आर्ट गैलरी भवन संयुक्त ब्रीफ किया। मौके पर सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। डीएम एवं एसपी ने कहा कि यह परीक्षा राज्य के लिए अति प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षा है। परीक्षा स्वच्छ, कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराने की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए कदाचार मुक्त परीक्षा संपादित कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के आसपास परीक्षा अवधि में धारा-144 का गंभीरता से पालन कराने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास के स्टेशनरी एवं फोटोकॉपी दुकानों को बंद रखने का निर्देश दिया। परीक्षा कक्ष में किसी भी परिस्थिति में मोबाइल फोन नहीं रहेगा। परीक्षा शुरू होने से ढाई घंटे पहले उम्मीदवार को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करना है।

उपलब्धि एक अन्य अनूठे प्रयोग में चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है

प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा की कक्षा से वापस पृथ्वी की कक्षा में स्थापित

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

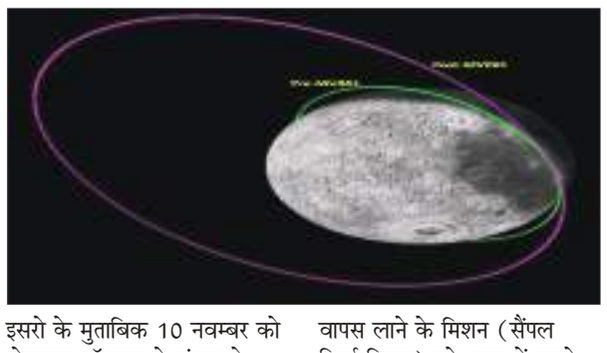

चंद्रयान 3 ने आज एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। इसरो एक अनूठे प्रयोग के तहत चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को वापस धरती की कक्षा में ले आया है। इसरो ने मंगलवार को एक्स पर खुशी साझा करते हुए बताया कि एक अन्य अनूठे प्रयोग में चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) को चंद्र कक्षा से पृथ्वी की कक्षा में लाया गया है। प्रोपल्शन मॉड्यूल इसके लिए रिटर्न मैनुवर यानी वापसी की प्रक्रिया की गई। इसरो के मुताबिक 10 नवम्बर को प्रोपल्शन मॉड्यूल ने चंद्रमा से वापस धरती की यात्रा शुरू की। 22 नवम्बर को यान धरती के निकटतम बिंदु (पेरिगी) से होकर गुजरा। यह प्रयोग चंद्रमा से नमूने वापस लाने के मिशन (सैंपल रिटर्न मिशन) को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रोपल्शन मॉड्यूल जो पहले चंद्रमा की 150 कि.मी. वाली कक्षा में चक्कर लगा रहा था अब धरती की कक्षा में है। इसरो के मुताबिक इस प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा की कक्षा में केवल तीन महीने तक रहना था। लेकिन इसरो ने ईंधन का उपयोग कर प्रोपल्शन मॉड्यूल को वापस धरती की कक्षा में लाने का फैसला किया ताकि, सैंपल रिटर्न मिशन के लिए अहम जानकारियां जुटाई जा सकें। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई 2023 को लॉन्च को श्री हरिकोटो से प्रक्षेपित किया गया था। चंद्रयान -3 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के पास एक सॉफ्ट लैंडिंग करना और विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर के माध्यम से चंद्रमा की सतह पर मौजूद खनीज का पता लगाना था। 23 अगस्त को चंद्रयान तीन ने चंद्रमा की धरती पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। उसके बाद 10 दिनों तक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर ने जानकारियां जुटाई। उसके बाद उसे स्लीप मोड पर डाल दिया गया। यह होता है प्रोप्लशन मॉड्यूलः चंद्रयान तीन में तीन अहम हिस्से थे जिसमें प्रोपल्शन मॉड्यूल, दूसरा है लैंडर मॉड्यूल और तीसरा है रोवर। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रयान-3 का काम लैंडर और रोवर को धरती की कक्षा से चांद की ओर ले जाना है।

स्टालिन ने केंद्र को लिखा पत्र, 5000 करोड़ रुपये देने की मांग की

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

तमिलनाडु में मिचौंग तूफान के चलते हुई तबाही के मद्देनजर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई । बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से चर्चा में स्टालिन ने कहा कि इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। केंद्र सरकार को भी पत्र लिखा गया है। केंद्र सरकार से राज्य को तुरंत 5000 करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि चक्रवाती तूफान मिचौंग की वजह से पिछले दो-तीन दिनों में चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार युद्ध स्तर पर सभी जरूरी कदम उठा रही है। तूफान ने चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर और चेंगलपट्टु जिलों में भारी तबाही मचाई है। आज शैक्षणिक संस्थानों, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए अवकाश घोषित किया गया है।